

वेनेजुएला में आए भूकंप से बड़े पैमाने पर जान-माल का नुकसान अब तक 600 लोगों की मौत की पुष्टि जबकि 2,980 घायल



हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी



चमत्कार की कहानी
मलबे में बच्ची का जन्म

मौत और तबाही के बीच इसानी जन्म की ये कहानियां दुनिया भर के लोगों को भावुक कर रही हैं। तबाही के बीच चमत्कार भी नजर आया है। रेस्क्यू टीम ने ढह चुकी इमारत की छत को तोड़कर एक नवजात बच्ची को सुरक्षित बाहर निकाला। मलबे के नीचे दबी एक गर्भवती महिला ने बच्ची को जन्म दिया था। चारों तरफ कंक्रीट और तबाही होने के बावजूद माँ और नवजात बच्चा दोनों सुरक्षित बच गए। बचाव दल ने मौत के पर ही उन्हें जरूरी मेडिकल मदद दी और फिर सावधानी से अस्पताल पहुंचाया, जहां दोनों का इलाज चल रहा है।

►शेष पेज 6 पर

वेनेजुएला तबाह, मलबे के नीचे से आ रहीं आवाजें सैकड़ों की मौत, हजारों अब भी लापता

एजेंसी ► कराकस

हरिभूमि फॉलोअप



कमियों ने महिला को सुरक्षित निकाला

10 हजार से ज्यादा के मरने की आशंका

अमेरिकी जियोलॉजिकल सर्वे के मुताबिक भूकंप से 10 हजार से ज्यादा लोगों के मारे जाने की 44% आशंका है। वहीं, एक लाख लोगों के जान गंवाने की 30% आशंका है। इस आपदा से वेनेजुएला की अर्थव्यवस्था को 10 लाख करोड़ रुपये के नुकसान का अनुमान है। कार्यवाहक राष्ट्रपति डेलसी रोड्रिगेज ने आपदाकाल लगा दिया है। दुनियाभर से मदद की पेशकश की गई है।

सोने का सच्चा भाव
आनंद का सच्चा भाव

18 कैरेट रेट = ₹103084/- (75.00%)
22 कैरेट रेट = ₹125900/- (91.60%)
24 कैरेट रेट = ₹137431/- (99.99%)

सोने का भाव प्रति 1.0 ग्राम | GST Extra

ANAND Jewels
Pandri, Raipur

खबर संक्षेप

दीक्षित नए आईबी चीफ डेका की लगे जगह

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने इंटे्लिजेंस ब्यूरो (आईबी) के स्पेशल डायरेक्टर महेश दीक्षित को देश की आंतरिक खुफिया एजेंसी का नया चीफ नियुक्त किया है। वे 30 जून को कार्यकाल पूरा कर रहे तपन कुमार डेका की जगह लेंगे। केंद्र सरकार ने महेश को दो साल के लिए आईबी डायरेक्टर नियुक्त किया है। फिलहाल आईबी में स्पेशल डायरेक्टर और एजेंसी के दूसरे सबसे वरिष्ठ अधिकारी थे।

आखिरकार चंपत और अनिल ने दिया इस्तीफा चंदा चोरी विवाद के बीच राम मंदिर ट्रस्ट छोड़ा

राम मंदिर दान प्रकरण में बड़ा घटनाक्रम सामने आया है। राम जन्मभूमि ट्रस्ट के दो सदस्य चंपत राय और अनिल मिश्रा ने इस्तीफा दे दिया है। एसआईटी की शुरुआती रिपोर्ट में कठोर संस्तुति के बाद यह बड़ा फैसला लिया गया। एसआईटी की सिफारिश पर मामले में एफआईआर पहले ही दर्ज की जा चुकी है। इस्तीफों को जांच में हुई कार्रवाई से जोड़कर देखा जा रहा है। इधर, शुक्रवार को सभी 8 आरोपियों का मेडिकल कराने के बाद इन्हें कोर्ट में पेश कर 14 दिन के लिए जेल भेज दिया गया है।

- राम मंदिर दान प्रकरण में सामने आया बड़ा घटनाक्रम
- गिरफ्तार 8 आरोपियों को भेजा गया न्यायिक हिरास्त में
- चोरी का मामला पहली बार 7 जून को आया था सामने

हरिभूमि न्यूज ► नई दिल्ली

अयोध्या के राममंदिर में चंदाचोरी को लेकर देशभर में बवाल मचा हुआ है। लगातार नए खुलासे हो रहे हैं। इस मामले में गिरफ्तारी के बाद अब ताजा घटनाक्रम में राम जन्मभूमि ट्रस्ट के दो सदस्य चंपत राय और अनिल मिश्रा ने इस्तीफा दे दिया है। सूत्रों के अनुसार, यह घटनाक्रम मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सख्त रुख और एसआईटी की प्रारंभिक जांच रिपोर्ट के बाद सामने आया है। इसी क्रम में ►शेष पेज 6 पर



जेल भेजे गए टिन्नु सहित 8 आरोपी

चंदावा चोरी मामले में गुरुवार देर शाम ट्रस्ट के सदस्य कृष्ण मोहन की शिकायत पर पहली एफआईआर दर्ज कराई गई थी। इसमें चंपत राय, डॉ. अनिल मिश्रा समेत अन्य बड़े पदाधिकारियों के नाम नहीं हैं। इसके बाद गुरुवार देर रात रामशंकर यादव उर्फ टिन्नु समेत 8 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। आज शुक्रवार को सभी 8 आरोपियों को मेडिकल कराने के बाद इन्हें कोर्ट में पेश किया गया। सीजेएम कोर्ट ने सभी आरोपियों को 14 दिन के लिए जेल भेज दिया है।

जानिए किस पर क्या आरोप

- **रामशंकर यादव उर्फ टिन्नु:** अगर पूरे सिस्टम को देखें तो टिन्नु की जिम्मेदारी सबसे शुरुआती चरण की थी। एफआईआर के मुताबिक, वे मंदिर परिसर में रखे दानपात्रों की निगरानी करते थे और उन्हें बेसमेंट तक पहुंचाने का काम देखते थे। आरोप है कि इसी दौरान करोड़ों रुपये के चंदावे में कथित गबन किया गया और उससे अयोध्या व आसपास के जिलों में संपत्तियां बनाई गईं।
- **लवकुश मिश्रा:** लवकुश मिश्रा कैश काउंटरिंग टीम का हिस्सा थे। उन पर आरोप है कि कैश काउंटरिंग के दौरान रकम में कथित हेराफेरी की गई। जांच के दौरान उनके घर से करीब 12 लाख रुपये कैश मिलने का दावा किया गया है। जांच एजेंसियां अब इस रकम के स्रोतों की भी जांच कर रही हैं।
- **अनुकल्प मिश्रा:** अनुकल्प मिश्रा भी कैश काउंटरिंग टीम में काम करते थे। एफआईआर के अनुसार, उन पर आरोप है कि गिनती के दौरान कथित तौर पर रकम ►शेष पेज 6 पर

सुलह की कोशिश नाकाम

पहले किया प्रताड़ित फिर दिया तीन तलाक

हरिभूमि न्यूज ► अम्बिकापुर

दहेज को लेकर पति-पत्नी के बीच लम्बे समय से चल रहे विवाद को सुलझाने की कोशिश भी काम नहीं आई और पति ने रिश्तेदारों के सामने ही तीन तलाक दे दिया। पीड़िता की शिकायत पर कोतवाली पुलिस अपराध पंजीबद्ध कर मामले की जांच कर रही है। मोमिनपुरा निवासी सहाना बानो (31 वर्ष) ने बताया कि उसका निकाह सदर रोड निवासी शोएब खान पिता स्व.हारून खान के साथ 18 जुलाई 2022 को रीति-रिवाज के अनुसार हुआ था। शादी के बाद तीन महीने का समय ठीक तरीके से गुजरा। इसके बाद शोएब दहेज में कुछ नहीं लाने की बात कहकर प्रताड़ित करने लगा। पीड़िता के परिजन ने ►शेष पेज 6 पर

बच्चा नहीं होने

पर बढ़ा विवाद

पीड़िता ने बताया कि विवाह के दस साल गुजरने के बाद भी उसे बच्चे नहीं हुए जिसकी लेकर उसके साथ पति की तकरार बढ़ने लगी। पति बात-बात में उसके साथ विवाद करने लगा। पति की लागतार प्रताड़ना से तंग आकर पिछले 10 महीनों से मायके में रही है। पीड़िता ने बताया कि उसकी रिपोर्ट पर महिला थाना पुलिस ने दोनों पक्ष को काउंसिलिंग के लिए बुलाया था। महिला पुलिस ने काउंसिलिंग के दौरान समझाने की भी कोशिश लेकिन पति पर इसका कोई प्रभाव नहीं पड़ा।

नारको सेंटर की बैठक

ड्रग माफियाओं पर प्रहार, शाह ने जारी किया नया रोडमैप



हरिभूमि न्यूज ► नई दिल्ली

देश में नशीले पदार्थों के कारोबार के खिलाफ केंद्र सरकार अपनी कार्रवाई को और तेज करने जा रही है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह शुक्रवार को नारको-कोऑर्डिनेशन सेंटर की 10वीं शीर्ष-स्तरीय बैठक की की। इस दौरान उन्होंने 'नारकोटिक्स कंट्रोल विजन डॉक्यूमेंट 2026-2029' जारी किया। इससे देश को ड्रग मुक्त बनाने के लिए अगले तीन वर्षों का रोडमैप तय किया गया। केंद्र और राज्य सरकारों के साथ विभिन्न जांच एजेंसियों के वरिष्ठ अधिकारी शामिल रहे।

नए विजन डॉक्यूमेंट में यह है खास

नारकोटिक्स कंट्रोल विजन डॉक्यूमेंट 2026-2029 में नशीले पदार्थों की मांग कम करने, तस्करी की सफाई चैन तोड़ने और नशे के शिकार लोगों के पुनर्वास पर विशेष जोर दिया जाएगा। इसके साथ ही यह दस्तावेज आने वाले वर्षों में ड्रग्स के खिलाफ राष्ट्रीय रणनीति का आधार बनेगा। विजन डॉक्यूमेंट में नई चुनौतियों से निपटने की रणनीति भी शामिल की गई है। इनमें सिंथेटिक ड्रग्स का बढ़ता इस्तेमाल और डार्कनेट के जरिए हो रही ड्रग तस्करी प्रमुख हैं।

घर में घुस युवती के बारे में पूछा सामने आते ही गोली मारकर की हत्या

बाइक सवार दो नकाबपोश बदमाशों ने सिर में मारी गोली, तीन राउंड फायरिंग के बाद फरार

हरिभूमि न्यूज ► सवती



तकनीकी साक्ष्य खंगाल रही पुलिस

फॉरेंसिक विशेषज्ञों ने घटनास्थल से महत्वपूर्ण साक्ष्य जुटाए हैं। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है और वारदात में प्रयुक्त बाइक की पहचान का प्रयास किया जा रहा है। जिले से बाहर जाने वाले मार्गों पर भी निगरानी बढ़ा दी गई है। पुलिस का कहना है कि तकनीकी साक्ष्यों और प्रत्यक्षदर्शियों से मिली जानकारी के आधार पर जल्द ही आरोपियों तक पहुंचने की उम्मीद है।

हत्या का कारण अब भी रहस्य

फिलहाल हत्या के पीछे की वजह स्पष्ट नहीं हो सकी है। पुलिस व्यक्तिगत रंजिश, पेशेवर विवाद सहित सभी संभावित पहलुओं की जांच कर रही है। परिजनों ने आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी कर कड़ी कार्रवाई की मांग की है। दिनदहाड़े घर में घुसकर हुई इस हत्या ने क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था पर भी गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

परमिट लिया लेकिन गाड़ी नहीं चलाते, वजह दूसरों का समय बरबाद करना

बसों के संचालन में टाइमिंग घोटाला, 120 बसों के संचालकों को नोटिस, चेतावनी भी

हरिभूमि न्यूज ► रायपुर

छत्तीसगढ़ में बसों का परमिट लेकर भी गाड़ी नहीं चलाने वाले और परमिट का नवीनीकरण नहीं कराने वाले 120 बस संचालकों को परिवहन विभाग ने नोटिस जारी किया है और कहा है कि वे परमिट का नवीनीकरण कराएं, नहीं तो उनके परमिट निरस्त कर दिए जाएंगे। ऊपरी तौर पर ये एक सामान्य मामला नजर आता है, लेकिन परिवहन विभाग के उच्च पदस्थ आधिकारिक ►शेष पेज 6 पर

ये है मामला

छत्तीसगढ़ में बस संचालन में करोड़ों का कारोबार करने वाले अब टाइमिंग घोटाला भी कर रहे हैं। दरअसल एक यात्री बस के बस स्टैंड से छूटने के लिए एक निर्धारित समय दिया जाता है। इसी समय पर गाड़ियां रवाना होती हैं। एक के बाद दूसरी गाड़ी के लिए समय दिया जाता है, लेकिन कई बस संचालक अपनी गाड़ी के आगे के समय के 2-3 परमिट ले लेते हैं, लेकिन उस परमिट पर गाड़ी नहीं चलाते, इसकी वजह से उनकी गाड़ी में सवार करने के ►शेष पेज 6 पर



रिनीवनल नहीं तो परमिट होगा कैसिल

छत्तीसगढ़ में सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को नियमित करने के लिए क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकरण (आरटीए) ने गैर-नवीनीकृत बस परमिटों के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी है। आरटीए, नवा रायपुर ने ऐसे सभी बस संचालकों को अपना पक्ष रखने का निर्देश दिया है, जिन्होंने निर्धारित समय सीमा के बावजूद अपने परमिट का नवीनीकरण नहीं कराया है। चेतावनी दी गई है कि संतोषजनक जवाब नहीं मिलने या नवीनीकरण नहीं कराने की स्थिति में संबंधित परमिट रद्द कर दिए जाएंगे और उन स्टॉपों के लिए नए आवेदन आमंत्रित कर अन्य इच्छुक बस संचालकों को परमिट जारी किए जाएंगे।

अब जीपीएस से रखी जाएगी नजर

परिवहन विभाग के उच्च पदस्थ सूत्रों के अनुसार बस संचालकों के इस टाइमिंग घोटाले पर नई तकनीक जीपीएस सिस्टम से शिकंसा कसा जाएगा। बताया गया है कि 2019 के बाद बनी सभी बसों में जीपीएस सिस्टम इनस्टॉल है। लेकिन बस वाले इसे बंद करके रखते हैं। लेकिन अब परिवहन विभाग ने जीपीएस सिस्टम को चालू रखना अनिवार्य कर दिया है। अब जीपीएस सिस्टम से ये भी देखा जाएगा कि किस ►शेष पेज 6 पर

SANJAY RUNGTA GROUP OF INSTITUTIONS

KOHKA-KURUD, BHILAI

SRGI Silver Jubilee MERITORIOUS SCHOLARSHIP

25%*

Tuition Fee Waiver

SCHOLARSHIP - ELIGIBILITY

75% IN QUALIFYING EXAM

BECOME A PART OF THE MOST TRUSTED EDUCATIONAL GROUP OF CHHATTISGARH

REGISTRATION OPEN - 2026-2027

UPGRADE YOUR SKILLS

GLOBAL CERTIFICATION

nasscom, aws, CISCO, Google for Developers, Ansys, zScaler, Tolly, JUNIPER, celonis, Bentley Education

RCDSE NATIONAL RANKINGS

INDIA TODAY REVIEW

1st Amongst Private Dental Colleges in CENTRAL INDIA

42nd Amongst Dental Colleges in INDIA

RSR RCET INDIAN INSTITUTIONAL RANKING FRAMEWORK (IIRF)

67th RANK IN INDIA

02nd RANK IN CHHATTISGARH

RIPS HIGHER EDUCATION REVIEW

PHARMACY COLLEGES

UNDER TOP 10 RANK IN CHHATTISGARH

DIPLOMA PROGRAMMES

- D.Pharma
- Mechanical
- Civil
- EE
- AI & ML
- DHMC
- DCA

UNDER GRADUATE PROGRAMMES

- BDS
- B.Pharma
- B.Tech (CSE, Mechanical, Civil, EE, AI & ML, CS Data Science)
- B.Sc (BT, MB, Bio., Maths, CS)
- B.Com
- BBA
- BCA
- BA

POST GRADUATE PROGRAMMES

- MDS
- M.Pharma
- M.Tech. (CSE, Production Engg., Power System & Control, Structural Engg., AI & ML)
- M.Sc (BT, MB, Maths, Chemistry, Physics, CS)
- M.Com
- MBA
- MCA
- PGDCA
- PGDYEP (PG Diploma in Yoga Education & Philosophy)

EDUCATION PROGRAMMES

- B.Ed. (Bachelor of Education)
- M.Ed. (Master in Education)

PHD

- CS
- Management

ADMISSION HELP LINE :

9229 111 555, 9229 111 666

www.rungtacolleges.com @runtgacolleges

**अंबुजा सिटी सेंटर मॉल के पास, सड्डू,
रायपुर (छ.ग) 492014**

- पर्यटक खुली जीप में वन भैंसा, टाइगर और अन्य वन्य जीवों का कर सकेंगे दीदार
- स्थानीय संस्कृति, रहन-सहन व प्राकृतिक जीवनशैली को देखने का मिलेगा अवसर
- 2799 वर्ग किमी में फैला आईटीआर देश के प्रमुख बाघ अभयारण्यों में शामिल



प्रदेश में
लगभग
34 बाघ

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

नक्सल खात्मे के बाद बड़ा फैसला, 40 साल से बंद इन्द्रावती टाइगर रिजर्व पर्यटकों के लिए खुलेगा

महेन्द्र विठ्ठलकर्मा ►► जगदलपुर

इंद्रावती टाइगर रिजर्व बीजापुर का बारिश के बाद पर्यटकों की आवाजाही से गुलजार होने जा रहा है। लगभग 40 वर्षों के लंबे अंतराल के बाद नक्सल मुक्त होने और क्षेत्र में शांति बहाली ने पर्यटकों की राह आसान की है। वन विभाग ने आईटीआर में ईको-पर्यटन को पुनर्जीवित करने के लिए एक व्यापक ►►शेष पेज 6 पर



अपनी खूबसूरती के लिए जाना जाएगा रिजर्व बीजापुर का यह रिजर्व अपनी खूबसूरती के लिए जाना जाएगा और यहां आने वाले पर्यटक खुली जीप में वन भैंसा, टायगर एवं अन्य वन्य जीवों का दीदार भी कर सकेंगे। रिजर्व से सटे हुए गांवों में ग्रामीणों को वन विभाग जागरूक कर रहा है। इस इलाके में पाए जाने वाले वन्य प्राणियों की जानकारी के साथ उनके संरक्षण के बारे में बताया जा रहा है। ताकि वे उन्हें नुकसान न पहुंचाएं बल्कि संरक्षण में योगदान दें।

आईटीआर का खुलना सुखद अनुभव होगा

वन मंत्री केदार कश्यप का कहना है कि इन्द्रावती टाइगर रिजर्व में बाघ, वन भैंसा, गिद्धों का झुंड देखा गया है। इन्द्रावती टाइगर रिजर्व का बारिश के बाद पर्यटकों के लिए खुलना सुखद अनुभव होगा। उन्होंने बताया कि अब तक प्रदेश में लगभग 34 बाघ हैं, अब भी टायगर रिजर्व में बाघ की गणना चल रही है।

पर्यटन को और मिलेगा बढ़ावा

इन्द्रावती टाइगर रिजर्व बीजापुर के निदेशक संदीप बलगा ने बताया कि बस्तर क्षेत्र में स्थित आईटीआर एक आदर्श राष्ट्रीय उद्यान की सभी विशेषताओं से परिपूर्ण है। यहां विशाल गासलैंड, जल संरचनाएं, बांस के जंगल और समृद्ध जैव विविधता मौजूद है। उन्होंने बताया कि रिजर्व के अन्य क्षेत्रों को भी विकसित करने की योजना बनाई जा रही है, जिससे पर्यटन को और बढ़ावा मिलेगा।

खबर संक्षेप

जापानी पीएम ताकाइची 1 जुलाई से भारत दौरे पर नई दिल्ली। जापान की प्रधानमंत्री साने ताकाइची 1 से 3 जुलाई तक भारत के दौरे पर रहेंगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निमंत्रण पर वह नई



दिल्ली आएंगी और दोनों नेताओं के बीच 16वीं भारत-जापान वार्षिक शिखर बैठक होगी। विदेश मंत्रालय के मुताबिक, बैठक में व्यापार, निवेश, रक्षा समेत दोनों देशों के सहयोग के सभी पहलुओं की समीक्षा की जाएगी। साथ ही क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी चर्चा होगी। प्रधानमंत्री बनने के बाद ताकाइची का यह पहला भारत दौरा होगा।

झारखंड : टुक. वैन की टक्कर में 7 की मौत

रामगढ़। झारखंड के रामगढ़ जिले में कोयले से लदे एक टुक ने बैंड पार्टी को लेकर जा रही वैन को टक्कर मार दी, जिससे आठ लोगों की मौत हो गई। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने विरोध-प्रदर्शन किया। यह हादसा आधी रात के करीब राजराम्पा पुलिस थाना क्षेत्र के बारलौघ बुधबाजार में हुआ। राजराम्पा पुलिस थाने के प्रभारी कृष्ण कुमार ने बताया, 'शुरुआत में इस हादसे में सात लोगों की मौत हुई थी। इलाज के लिए रांची की रिफ्स भेजे गए एक घायल व्यक्ति की इलाज के दौरान मौत हो गई, जिससे मरने वालों की कुल संख्या आठ हो गई है।'

अवैध रूप से रह रहे छह बांग्लादेशी गिरफ्तार

कोच्चि। केरल पुलिस ने यहां एरूर क्षेत्र में अवैध रूप से रह रहे छह बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।



अधिकारियों के अनुसार, खुफिया एजेंसियों से मिली सूचना के आधार पर पुलिस ने अवैध रूप से रह रहे छह बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

कामाख्या मंदिर के कपाट फिर खुले

गुवाहाटी। गुवाहाटी में नीलाचल पर्वत पर स्थित कामाख्या मंदिर का कपाट शुक्रवार को खुलने के साथ ही मशहूर अंबुबाची मेले का समापन हो गया और हजारों श्रद्धालु सुबह से ही देवी के दर्शन के लिए कतार में खड़े रहे। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बताया कि इस वर्ष आयोजित इस वार्षिक मेले में आठ लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने भाग लिया। यह मेला उस अवधि में आयोजित होता है जब मंदिर के कपाट बंद रहते हैं, क्योंकि मान्यता है कि यह देवी की रजस्वला अवधि है। शर्मा ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'मां कामाख्या में अंबुबाची अपने आप में अद्वितीय है। यह असम की सांस्कृतिक विरासत में नारी शक्ति की अहमियत का प्रतीक है।' उन्होंने कहा, 'पिछले कुछ दिनों में आठ लाख से अधिक श्रद्धालु इस अनोखे उत्सव में शामिल हुए।'

सुस्त मौसम और अलनीनो से भारत की 300 अरब डॉलर की कृषि आपूर्ति शृंखला पर मंडराया खतरा

अलनीनो बिगाड़ेगा मानसून की चाल, धीमी रफ्तार से ठिठके किसान, 'सूखे' का खतरा

देश में दक्षिण-पश्चिम मानसून की धीमी रफ्तार खरीफ सीजन की बुआई पर असर डालने लगी है। जून का महीना धान, कपास, सोयाबीन, बाजरा जैसी खरीफ फसलों की बुआई के लिए सबसे आह्वान माना जाता है लेकिन कई हिस्सों में बारिश में हुई देरी के

हरिभूमि न्यूज ►► नई दिल्ली

प्रशांत महासागर में विकसित हो रहा अल नीनो आने वाले महीनों में भारत के मानसून को और कमजोर कर सकता है। ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि इससे न केवल खरीफ फसलों का उत्पादन प्रभावित होने का खतरा बढ़ेगा, बल्कि खाद्य तेल, चीनी, कपास और दालों जैसी आवश्यक कृषि जिनसे की कमीनो पर भी दबाव बढ़ सकता है। इससे महंगाई पर भी असर पड़ने की आशंका जताई गई है। भारत में दक्षिण-पश्चिम मानसून सामान्यतः जून में समयबद्ध ढंग से आगे बढ़ता है और उसी के आधार पर खरीफ फसलों की बुआई का कैलेंडर तय होता है। इस बार मुंबई तक मानसून पहुंचने में लगभग दो सप्ताह की देरी हुई है, जिससे किसानों के बीच चिंता बढ़ गई है। जून खरीफ फसलों की बुआई का सबसे महत्वपूर्ण समय होता है। किसान पहली अच्छी बारिश के बाद ही खेतों में बुआई शुरू करते हैं। ऐसे में जून के अंतिम सप्ताह तक कई क्षेत्रों में पर्याप्त वर्षा नहीं होने से खेती प्रभावित हो रही है।

विशेषज्ञों के अनुसार बढ़ सकती हैं किसानों की मुश्किलें

छत्तीसगढ़ सहित मध्यभारत पर पड़ेगा प्रभाव

ब्लूमबर्ग के अनुसार, सूखे जैसी स्थिति का सबसे अधिक असर मध्य भारत और दक्कन क्षेत्र में देखा जा रहा है। इसमें राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र, कर्नाटक, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और तेलंगाना के बड़े कृषि क्षेत्र शामिल हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, यही क्षेत्र देश के लगभग 90 प्रतिशत सोयाबीन और गन्ना, 80 प्रतिशत कपास तथा 70 प्रतिशत मूंगफली और दलहन, जैसे मसूर और चने का उत्पादन करते हैं। इसके अलावा फल और सब्जियों की खेती में भी इन राज्यों की महत्वपूर्ण हिस्सेदारी है, जिससे इन क्षेत्रों का असर देखभर के कृषि बाजारों पर पड़ता है।



मौसम विभाग ने जताया अनुमान

भारत में इस समय दक्षिण-पश्चिम मानसून सक्रिय है, जो देश के अधिकांश हिस्सों, विशेषकर महाराष्ट्र, ओडिशा, छत्तीसगढ़ और मध्य भारत के कुछ हिस्सों में आगे बढ़ चुका है और उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ रहा है। इसके प्रभाव से कई क्षेत्रों में गरज, चमक और हल्की से भारी बारिश हो रही है। मध्य भारत (छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश): दक्षिण-पश्चिम मानसून की प्रगति के कारण रायपुर सहित मध्य भारत में बारिश का दौर जारी है। तापमान सामान्य से कम हो गया है और उनस मरी स्थिति के बीच रुक-रुक कर बारिश हो रही है।

सीएम साय बोले- हर परिवार के पक्के घर का सपना पूरा करने में लगी है हमारी सरकार

मुख्यमंत्री ने छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल के नए लोगो का किया विमोचन

हरिभूमि न्यूज►► रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा, प्रत्येक परिवार का अपना पक्का घर होने का सपना होता है और राज्य सरकार इस सपने को पूरा करने में लगी है। मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को नया रायपुर स्थित सर्किट हाउस में छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं ►►शेष पेज 6 पर



सुशासन सर्वोच्च प्राथमिकता

मुख्यमंत्री ने कहा, सुशासन हमारे सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। 'सेवा सेतु' के माध्यम से 450 से अधिक शासकीय सेवाएं अब मोबाइल ऐप के जरिए घर बैठे उपलब्ध हैं। मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 भी प्रारंभ की गई है, जहां नागरिक अपनी शिकायतें दर्ज कर समयबद्ध समाधान प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने पीएम सूर्यधर मुफ्त बिजली योजना का उल्लेख करते हुए कहा, प्रदेश में लगभग 65 हजार घरों में स्फूटिंग सोलर संयंत्र स्थापित किए जा चुके हैं।

सीबीएसई का बड़ा फैसला : नई भाषा नीति पुराने छात्रों पर नहीं होगी लागू

10वीं तक पुराने नियम ही, नहीं लागू होगी नई भाषा नीति

हरिभूमि न्यूज ►► नई दिल्ली

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) के छात्रों के लिए बड़ी राहत की खबर है। शिक्षा मंत्रालय के सूत्रों के मुताबिक, वर्तमान में कक्षा 7, 8 और 9 में पढ़ रहे वे छात्र जिन्होंने तीन-भाषा नीति के तहत दो विदेशी भाषाओं का चयन किया है, वे कक्षा 10 तक उसी भाषा संयोजन के साथ पढ़ाई जारी रख सकेंगे। उन्हें बीच में अपने विषय बदलने की आवश्यकता नहीं होगी। सूत्रों ने बताया कि तीन-भाषा नीति के तहत कम ►►शेष पेज 6 पर

दो भाषा की अनिवार्यता छठवीं से भविष्य के बैचों के लिए होगी लागू

यह यू-टर्न नहीं, सिर्फ स्पष्टता

शिक्षा मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि यह फैसला किसी तरह की नीति में बदलाव या पीछे हटना नहीं है। उनके अनुसार, यह प्रावधान पहले भी मौजूद था, लेकिन इसे स्पष्ट रूप से नहीं बताया गया था। अब छात्रों और अभिभावकों के बीच भ्रम दूर करने के लिए स्थिति साफ की गई है।

केवल कुछ हजार छात्र ही होंगे प्रभावित

मंत्रालय के अनुसार, हर साल लगभग 24 लाख छात्र सीबीएसई की 10वीं बोर्ड परीक्षा में शामिल होते हैं। इनमें से करीब 30 हजार छात्र ही दो विदेशी भाषाओं का विकल्प चुनते हैं। यानी लगभग 98.5 प्रतिशत छात्र पहले से ही तीन-भाषा फॉर्मूले का पालन कर रहे हैं। यह राहत मुख्य रूप से महानगरों और शहरी क्षेत्रों के उन छात्रों के लिए दी गई है।



सुप्रीम कोर्ट ने अंतरिम राहत देने से किया था इंकार

हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने इस नीति को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर अंतरिम रोक लगाने से इनकार कर दिया था। अदालत ने इन याचिकाओं को पहले से लंबित समान मामलों के साथ जोड़ने का निर्देश दिया था।

मई के सर्कुलर के बाद शुरू हुआ था विवाद

गौरतलब है कि मई 2026 में सीबीएसई ने राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा (एनसीएफ) के तहत एक सर्कुलर जारी किया था। इसमें कहा गया था कि 2026-27 सत्र से कक्षा 9 में प्रवेश लेने वाले छात्रों को तीन भाषाएं पढ़नी होंगी, जिनमें कम से कम दो भारतीय भाषाएं शामिल हों। इस फैसले के बाद कई छात्रों और अभिभावकों ने विरोध जताया था और मामला सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच गया था।

कपालफोड़ी की घटना

तालाब में डूबने से नहाने गई दो मासूम बच्चियों की मौत, गांव में शोक की लहर

हरिभूमि न्यूज ►► मगरलौड

धमतरी जिले के मगरलौड के कपालफोड़ी गांव के तालाब में नहाने गई दो बच्चियों की डूबने से मौत हो गई। इस घटना से गांव में शोक की लहर है।

पुलिस से मिली जानकारी अनुसार शुक्रवार की सुबह लगभग 9 बजे ग्राम कपालफोड़ी की बच्ची खुशबू साहू (8 वर्ष) पिता दीपक साहू अपनी सहेली गीतिका साहू (8 वर्ष) पिता नारद साहू के साथ गांव के बाजार तालाब में नहाने गई थी। नहाते वक्त दोनों गहरे पानी में



जाकर डूब गईं। कुछ ही दूरी में गांव की महिला पैमिन बाई साहू भी नहा रही थी। थोड़ी देर बाद बच्चियां नहाते हुए नहीं दिखीं, लेकिन तालाब किनारे कपड़े व बाल्टी पड़ी थी। पैमिन को संदेह होने पर बच्चियों के परिजनों को सूचना दी। दोनों बच्ची के परिवार वाले ►►शेष पेज 6 पर

चिंतन

धार्मिक संस्थाओं में पारदर्शिता जरूरी

देश में मंदिर केवल पूजा-अर्चना के केंद्र नहीं हैं, बल्कि करोड़ों लोगों की आस्था, विश्वास और सांस्कृतिक विरासत के प्रतीक हैं। श्रद्धालु बिना किसी अपेक्षा के मंदिरों में दान और चढ़ावा अर्पित करते हैं। उनका विश्वास होता है कि उनकी मेहनत की कमाई धर्म, सेवा और जनकल्याण के कार्यों में उपयोग होगी। ऐसे में यदि चढ़ावों में चोरी, गड़बड़ी या वित्तीय अनियमितता के आरोप सामने आते हैं तो यह केवल आर्थिक अपराध नहीं, बल्कि करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था पर गहरा आघात है। हाल ही में अयोध्या के श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में चढ़ावे में कथित चोरी का मामला सामने आने के बाद पूरे देश में चिंता का माहौल बना है। इससे पहले तिरुपति बालाजी मंदिर में प्रसाद के लिए उपयोग किए जाने वाले घी की गुणवत्ता को लेकर विवाद भी श्रद्धालुओं की भावनाओं को ठेस पहुंचा चुका है। इन घटनाओं ने यह स्पष्ट कर दिया है कि धार्मिक संस्थाओं में केवल श्रद्धा पर्याप्त नहीं है, बल्कि प्रशासनिक पारदर्शिता और जवाबदेही भी उतनी ही आवश्यक है। अयोध्या मामले में जांच के बाद कई आरोपियों की गिरफ्तारी हुई है। ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय और ट्रस्टी डॉ. अनील मिश्रा ने अपने पदों से इस्तीफा दिया है, जबकि मंदिर निर्माण से जुड़े अधिकारी गोपाल राव को भी जिम्मेदारियों से अलग किया गया है। हालांकि इस्तीफा देना नैतिक जिम्मेदारी का एक पहलु हो सकता है, लेकिन यदि किसी स्तर पर लापरवाही या जवाबदेही तय होती है तो केवल पद छोड़ देना पर्याप्त नहीं माना जा सकता। पूरे मामले की निष्पक्ष जांच और दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई आवश्यक है, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। शिकायत दर्ज होने के बाद आरोपियों की गिरफ्तारी हुई और उन्हें न्यायालय में पेश कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया, वह काफी सराहनीय है। प्रधानमंत्री कार्यालय द्वारा भी पूरे घटनाक्रम पर नजर रखे जाने की जानकारी सामने आई है। इससे यह संदेश गया है कि धार्मिक संस्थाओं से जुड़े मामलों में किसी भी प्रकार की अनियमितता को हल्के में नहीं लिया जाएगा, लेकिन केवल दोषियों को सजा देना ही समाधान नहीं है। आवश्यकता इस बात की है कि देश के सभी बड़े धार्मिक संस्थानों में आय-व्यय की आधुनिक और पारदर्शी व्यवस्था विकसित की जाए। दान और चढ़ावे का डिजिटल रिकॉर्ड रखा जाए, नियमित स्वतंत्र ऑडिट कराया जाए और उसकी रिपोर्ट समय-समय पर सार्वजनिक की जाए। मंदिर ट्रस्टों की कार्यप्रणाली में जवाबदेही सुनिश्चित हो तथा वित्तीय प्रबंधन के लिए स्पष्ट और समान मानक बनाए जाएं। तकनीक के इस दौर में डिजिटल निगरानी, सीसीटीवी, ऑनलाइन लेखा-जोखा और स्वतंत्र निगरानी तंत्र जैसी व्यवस्थाएं भ्रष्टाचार की संभावनाओं को काफी हद तक कम कर सकती हैं। देश के अधिकांश मंदिर और धार्मिक संस्थान ईमानदारी और सेवा भाव से समाज के लिए कार्य कर रहे हैं। इसलिए आवश्यक है कि दोषियों और संस्थाओं के बीच स्पष्ट अंतर किया जाए तथा व्यवस्था को अधिक मजबूत बनाया जाए। आस्था भी मजबूत रहती है जब उसके साथ विश्वास भी जुड़ा हो। श्रद्धालु मंदिरों में केवल धन नहीं, बल्कि अपनी भावनाएं और उम्मीदें भी समर्पित करते हैं। इसलिए सरकार, मंदिर ट्रस्टों और समाज तीनों की जिम्मेदारी है कि धार्मिक संस्थाओं के संचालन में पूर्ण पारदर्शिता, ईमानदारी और जवाबदेही सुनिश्चित की जाए। यही करोड़ों श्रद्धालुओं के विश्वास की सबसे बड़ी रक्षा होगी और यही धर्मस्थलों की गरिमा बनाए रखने का सर्वोत्तम मार्ग भी है।

अधिकार

सुशील देव



फुटपाथ पर दादागिरी दिखाता अतिक्रमण !

बढ़ती आबादी के कारण सड़कों पर वाहनों का दबाव लगातार बढ़ रहा है और सड़कें छोटी पड़ती जा रही हैं। ऐसे में अवैध पार्किंग जहां एक नासूर बनती जा रही है, वहीं सड़कों के किनारे पैदल चलने वालों के लिए भी पर्याप्त जगह नहीं बची है। इससे राहगीरों को न केवल चलने-फिरने में परेशानी होती है, बल्कि फुटपाथों पर अवैध कब्जों और अतिक्रमण के कारण दुर्घटनाओं का खतरा भी लगातार बढ़ रहा है। स्थिति यह है कि अतिक्रमण ने एक तरह से फुटपाथों को निगल लिया है। कई शहरों में तो फुटपाथ दिखाई तक नहीं देते। कहीं उन पर अवैध पार्किंग का कब्जा है, कहीं दुकानों, रेहड़ी-पटरी और ढेलों ने रास्ता रोक रखा है, तो कहीं कूड़े-कचरे और अव्यवस्थित रखरखाव के कारण वे पूरी तरह बाधित हैं। नतीजतन, पैदल यात्रियों के लिए सुरक्षित रास्ते लगातार कम होते जा रहे हैं। हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने अपने एक महत्वपूर्ण फैसले में कहा है कि फुटपाथों पर पहला अधिकार पैदल चलने वालों का है। अदावत ने स्पष्ट किया कि सड़कों पर वाहनों की निर्बाध आवाजाही से भी अधिक महत्वपूर्ण यह है कि पैदल यात्री फुटपाथों पर बिना किसी बाधा के सुरक्षित रूप से चल सके। यह निर्णय स्वागत योग्य और सराहनीय है, जिसने सरकारों को उनकी जिम्मेदारी का एहसास कराया है तथा नागरिकों को उनके मौलिक अधिकार की याद दिलाई है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि फुटपाथ केवल सड़क दुर्घटनाओं से बचने की जगह नहीं है, बल्कि लोगों के चलने के अधिकार का प्रतीक हैं। सुरक्षित और सुविधाजनक फुटपाथ हर नागरिक का बुनियादी अधिकार हैं। उनका उद्देश्य लोगों को स्वतंत्र और सुरक्षित रूप से पैदल चलने की सुविधा देना है, जो स्वस्थ जीवनशैली का अभिन्न हिस्सा है। फुटपाथ केवल एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचने का माध्यम नहीं हैं, बल्कि अभिव्यक्ति, शांतिपूर्ण प्रदर्शन और सामाजिक जुड़ाव के लिए भी महत्वपूर्ण सार्वजनिक स्थान हैं। सड़क निर्माण के दौरान केवल वाहनों की सुविधा का ही नहीं, बल्कि पैदल यात्रियों की जरूरतों का भी पूरा ध्यान रखा जाना चाहिए। दुर्भाग्यवश, देश के अधिकांश हिस्सों में अतिक्रमण के कारण फुटपाथ लगभग गायब हो चुके हैं। कई विकासशील देशों की तुलना में भारत में फुटपाथ बड़े पैमाने पर अतिक्रमण के शिकार हैं। कहीं रेहड़ी-पटरी वालों ने कब्जा जमा रखा है, तो कहीं दुकानदारों के साइन बोर्ड और सामान ने रास्ता घेर लिया है। ऐसे में पैदल चलने वाले आखिर करें तो क्या करें? आमतौर पर उन्हें सड़क के किनारे चलने के लिए मजबूर होना पड़ता है, जिससे वे दुर्घटनाओं की चपेट में आ जाते हैं। हर वर्ष हजारों लोग ऐसी दुर्घटनाओं में अपनी जान गंवा देते हैं। दूसरी ओर, अवैध पार्किंग और अतिक्रमण के कारण यातायात जाम की समस्या भी गंभीर होती जा रही है, जिससे आम लोगों को घंटों परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

सबसे चिंता की बात यह है कि इस गंभीर समस्या की ओर ट्रैफिक पुलिस, प्रशासन और सरकारें अपेक्षित गंभीरता नहीं दिखातीं। परिणामस्वरूप सुप्रीम कोर्ट को हस्तक्षेप कर यह याद दिलाना पड़ता है कि फुटपाथ पर सुरक्षित और बाधा रहित रूप से चलना जनता का मौलिक अधिकार है। फुटपाथों का उपयोग पूरी तरह बाधा रहित और सुविधाजनक होना चाहिए। इनके रखरखाव और संरक्षण की जिम्मेदारी जिन विभागों पर है, उन्हें ईमानदारी और जवाबदेही के साथ अपनी भूमिका निभानी चाहिए। नगर निगम, नगर पालिकाएं, शहरी विकास प्राधिकरण तथा पंचायतों को इस दिशा में सक्रिय कदम उठाने होंगे। जिस प्रकार यातायात नियमों के उल्लंघन पर चालान और जुर्माने का प्रावधान है, उसी प्रकार फुटपाथों पर अवैध कब्जा करने वालों के खिलाफ भी सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। यदि किसी अतिक्रमण के कारण सड़क दुर्घटना होती है, तो जिम्मेदार लोगों को कठोर कानूनी दायरे में लाया जाना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट कहा है कि सुरक्षित, चौड़े और अतिक्रमण-मुक्त फुटपाथ हर नागरिक का अधिकार हैं और इन्हें उपलब्ध कराना सरकारों की जिम्मेदारी है। इसके लिए आवश्यक हो तो अलगा कानून बनाया जाए तथा पैदल यात्रियों की शिकायतों के निवारण और उनके अधिकारों की रक्षा के लिए एक स्वतंत्र नियामक (रेगुलेटर) की स्थापना की जाए। तभी फुटपाथों को अतिक्रमण की दादागिरी से मुक्त कर पैदल यात्रियों को उनका वास्तविक अधिकार दिलाया जा सकेगा।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, वे उनके अपने विचार हैं।)



कोचिंग का महाप्रलय डा. जवाहर सूरिसेठी



कोटा में युवा छात्र पंखों से लटककर आत्महत्या कर रहे हैं, जहर खा रहे हैं, हॉस्टल की खिड़कियों से छलांग लगा रहे हैं। पिछले एक दशक में केवल इसी शहर में 147 से अधिक छात्रों ने आत्महत्या की है। यह प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं की तैयारी का ‘आत्महत्या का शहर’ बन चुका है। 2024 और 2026 में कुछ स्थानों पर नीट परीक्षा के प्रश्नपत्र लोक हुए, जिसके कारण दोबारा परीक्षा (री-नीट) करानी पड़ी। प्रश्नपत्र कोचिंग संस्थानों तक पहुंच गए। भारत की सबसे महत्वपूर्ण परीक्षाओं की सुरक्षा का जिम्मा संचालने वाली नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) पूरी तरह विफल साबित हुई। अब सवाल सीधा है-क्या हमें वास्तव में कोचिंग संस्थानों की जरूरत है? हम यहीं तक कैसे पहुंचें? कोचिंग संस्थानों की शुरुआत एक समाधान के रूप में हुई थी। स्कूल प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं की पर्याप्त तैयारी नहीं करा पा रहे थे। अभिभावक अपने बच्चों के लिए अतिरिक्त सहायता चाहते थे। यह व्यवस्था सफल भी हुई। नीट और जी के टॉपर कोचिंग से आने लगे। लेकिन धीरे-धीरे सब बदल गया। आज कोचिंग शिक्षा का पूरक नहीं, बल्कि शिक्षा का पर्याय बन चुकी है। छात्र 6–7 घंटे स्कूल में बिताता है, फिर 4–5 घंटे कोचिंग में, और आधी रात तक होमवर्क करता है। यह शिक्षा नहीं है। यह बच्चों को परीक्षा हल करने वाली मशीनों में बदलने की प्रक्रिया है।

और हर उस मशीन की तरह जिसे केवल परिणाम देने के लिए तैयार किया जाता है, यह व्यवस्था भी निर्मम, लापरवाह और भ्रष्ट होती चली गई।

असली समस्या

कोचिंग संस्थान अभिभावकों की मजबूरी से लाभ कमाते हैं। एक मध्यमवर्गीय परिवार अपने एक बच्चे की तैयारी पर हर वर्ष लाखों रुपये खर्च करता है-फीस, हॉस्टल, भोजन,

क्या हमें वास्तव में कोचिंग संस्थानों की आवश्यकता है?

यात्रा आदि पर। गरीब इसे वहन नहीं कर सकता, और अमीर को इसकी आवश्यकता नहीं पड़ती। कोचिंग ने शिक्षा को समान बनाने के बजाय और अधिक असमान बना दिया है। इन संस्थानों के पास अनैतिक रास्ता अपनाने की भी संरचनात्मक प्रेरणा होती है। अच्छी शिक्षा देने में समय लगता है, लेकिन यदि प्रश्नपत्र पहले ही मिल जाएँ तो टॉपर तुरंत तैयार हो जाते हैं। जब पूरा व्यवसाय परिणाम दिखाने पर टिका हो, तो गलत रास्ते का प्रलोभन क्यों न होगा?

कोटा की आत्महत्याएँ हमें एक भयावह सच बताती हैं-यह व्यवस्था ऐसा मानसिक दबाव पैदा करती है जिसे किशोर सह नहीं पाते। 17 वर्ष का छात्र यह मान बैठता है कि उसका पूरा भविष्य केवल एक दिन होने वाली एक परीक्षा पर निर्भर है। यह तनाव संयोग नहीं है। डर ही कोचिंग की सीटें भरता है। भय ही पाठ्यक्रम बेचता है।

सिर्फ 2023 में कोटा में 36 छात्रों ने आत्महत्या की। यह शहर अब हॉस्टल कमरा में लटके हुए युवाओं की तस्वीरों के लिए बहमान हो चुका है। फिर भी कोचिंग उद्योग लगातार बढ़ रहा है। इन मौतों को व्यक्तिगत त्रासदी मान लिया जाता है, जबकि वे पूरी व्यवस्था की विफलता हैं।

ऐसे समाधान जो वास्तव में काम कर सकते हैं
कोचिंग को सुधारने के बजाय हमें उन परीक्षाओं को बदलना चाहिए जिन्होंने कोचिंग उद्योग को जन्म दिया।

विकल्प 1: विश्वविद्यालय में प्रवेश के अनेक रास्ते
नीट और जी जैसी एकमात्र परीक्षा पर निर्भरता समाप्त की जाए। विश्वविद्यालय स्वयं प्रवेश प्रक्रिया तय करें। कुछ बोर्ड परीक्षा और साक्षात्कार के आधार पर प्रवेश दें, कुछ योग्यता परीक्षण लें और कुछ दोनों का संयोजन अपनाएं। इससे एक परीक्षा का दबाव समाप्त होगा और कोचिंग उद्योग स्वतः कमजोर पड़ जाएगा।

विकल्प 2 : वर्षभर सतत मूल्यांकन
एक परीक्षा के बजाय पूरे वर्ष में 10–12 मूल्यांकन हों। तब सफलता एक दिन के प्रदर्शन पर नहीं, बल्कि लगातार सीखने पर निर्भर होगी। ऐसी स्थिति में ‘एक परीक्षा फोड़ने’ वाली कोचिंग की आवश्यकता ही समाप्त हो जाएगी।

विकल्प 3 : कौशल आधारित प्रवेश
छात्रों का मूल्यांकन इस आधार पर हो कि वे वास्तव में क्या कर सकते हैं-समस्या समाधान, रचनात्मकता, संवाद क्षमता और शोध कौशल। मेट्रिकल कॉलेज प्रयोगशाला कार्य, केस स्टडी और व्यावहारिक समझ को भी महत्व दें, केवल वस्तुनिष्ठ प्रश्नों को नहीं।

विकल्प 4 : विश्वविद्यालयों को स्वायत्तता
विश्वविद्यालयों को अपनी प्रवेश नीति तय करने की स्वतंत्रता मिले। कुछ उच्च अंक वालों को चुनें, तो कुछ प्रतिभा और रचनात्मकता को महत्व दें। जब प्रत्येक संस्थान के मानदंड अलग होंगे, तब कोचिंग अप्रासंगिक हो जाएगी।

विकल्प 5 : पोर्टफोलियो आधारित चयन
छात्र अपने स्कूल प्रोजेक्ट, सामाजिक कार्य, शोध और प्रतियोगिताओं का पोर्टफोलियो तैयार करें। विश्वविद्यालय उसी के आधार पर चयन करें। इससे वास्तविकता सीखने को प्रोत्साहन मिलेगा, न कि केवल परीक्षा की तैयारी को। दुनिया के अधिकांश विकसित देशों में ऐसे मॉडल सफलतापूर्वक लागू हैं। वहाँ तनाव कम है, बेहतर छात्र चयन होता है और असफलता की दर भी कम है।

विकल्प 6 : सभी के लिए एक राष्ट्रीय एटीट्यूड परीक्षा (सीएटी मॉडल)

सबसे प्रभावी समाधान यह हो सकता है कि नीट और जी



को समाप्त कर एक ऐसी राष्ट्रीय योग्यता परीक्षा आयोजित की जाए जो सीएटी की तरह केवल तार्किक क्षमता, विश्लेषण, डेटा इंटरप्रेटेशन और भाषा कौशल को परखे। विषय ज्ञान या रटने को क्षमता नहीं-सिर्फ सोचने की क्षमता। चिकित्सा, इंजीनियरिंग, कानून, प्रबंधन-सभी क्षेत्रों के लिए यही एक परीक्षा हो। इसकी सबसे बड़ी विशेषता होगी कि एटीट्यूड की कोचिंग करी करी जा सकती। तर्कशक्ति और विश्लेषण को रटकर नहीं सीखा जा सकता। ऐसी परीक्षा आते ही कोचिंग उद्योग की पूरी व्यावसायिक संरचना ढह जाएगी।

सीएटी पहले ही यह सिद्ध कर चुका है कि वह केवल परीक्षा देने वाले नहीं, बल्कि समस्याओं का समाधान करने वाले लोग चुन सकता है। एक परीक्षा। पूरे देश के लिए। निष्पक्ष। कोचिंग से लगभग अप्रभावित। यही वह निर्णायक कदम हो सकता है जो बिना किसी अतिरिक्त कानून के कोचिंग उद्योग की अनावश्यकता सिद्ध कर दे।

यदि कोचिंग जारी रखनी है तो...
उसे स्कूलों की तरह कड़ाई से नियंत्रित करना होगा—
- वास्तविक अग्नि सुरक्षा निरीक्षण और कठोर डंड
- शिक्षकों की न्यूनतम योग्यता अनिवार्य
- छात्र-शिक्षक अनुपात निर्धारित
- पारदर्शी और नियंत्रित फीस
- बिना सूचना के निरीक्षण और कठोर कार्रवाई
लेकिन सच्चाई यह है कि केवल नियमन शापद पर्याप्त

सर्प पर्यावरण को संतुलित रखते हैं



संकलित

दर्शन

सामान्यतया सर्प अपनी भयंकरता के लिए जाने जाते हैं। पर दो बड़े देवता उन्हें अंगीकार किए हुए हैं। एक तो संसार के पालक विष्णु जी, जो उन्हें अपनी शय्या बनाए हुए हैं और दूसरे देवों के देव भगवान शंकर, जो उन्हें हारतुल्य कंठ में डाले हुए हैं। फिर वे पूज्य क्यों न माने जाएं? सर्प पर्यावरण को संतुलित रखते हैं। कृषि के शत्रु और मानवता के क्षतिकारक चुहों व कीट आदि का भक्षण करते रहते हैं और विष को आत्मसात करते हैं। दंश वे तभी देते हैं, जब दब-कुचल जाएं या उन्हें ऐसा कोई भ्रम हो जाए। वे अनेक औषधियों के निर्माण में भी सहायक होते हैं। सर्पों की अनेक प्रजातियां विषहीन भी होती हैं। शास्त्रों के अनुसार, वे शेषनाग के रूप में पृथ्वी को धारण करते हैं और वासुकि के रूप में कष्ट उठाकर समुद्र मंथन में रज्जु का काम करते हैं। रावण जैसे राक्षसों के संहार में शेषावतार लक्ष्मण रूप से श्रीराम की सहायता करते हैं। वराह पुराण के अध्याय 24 में एक कथा आई है। सर्पगण कश्यप ऋषि व उनकी पत्नी कद्रू की संतान हैं। उनसे अनंत, वासुकि, कंबल, ककोटिक, पद्म, महापद्म, शंख, कुलिक, पापराजिल आदि सर्प हुए। ये गरुड़ के सौतेले भाई हैं, जो ऋषि की अन्य पत्नी विनता से जन्मे। जब ये मानवता को कष्ट देने लगे, तो ब्रह्मा जी ने वासुकि आदि को बुलवा कर डांटा और अभिशप्त किया। सर्पों द्वारा अनुनय-विनय करने पर उन्हें रहने के स्थान समित किए और काटने की भी सीमा रेखाएं खींची। यह सारा कृतान्त पंचमी तिथि को हुआ। मान्यता है कि इस दिन उनकी पूजा-अर्चना से मानव को सर्प भय से मुक्ति मिल जाती है।

अंतर्मन



करंट अफेयर

बर्किंघम पैलेस में नहीं रहेंगे महाराज चार्ल्स तृतीय

ब्रिटेन के महाराजा चार्ल्स तृतीय बर्किंघम पैलेस के 10 वर्षों तक 36.9 करोड़ पाउंड (लगभग 48.7 करोड़ अमेरिकी डॉलर) के व्यापक नवीनीकरण कार्यक्रम के पूरा होने के बाद भी वहां स्थायी रूप से नहीं रहेंगे। राजशाही का मानना ​​है कि इस ऐतिहासिक भवन को आम जनता के लिए अधिक सुलभ बनाना जरूरी माना चाहिए। हालांकि, शाही अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि महाराजा चार्ल्स और महारानी कैमिला बर्किंघम पैलेस से अपने आधिकारिक कार्य करते रहेंगे। उन्होंने कहा कि यह महल आगे भी राजशाही का ‘ औपचारिक और प्रशासनिक केंद्र ’ बना रहेगा, लेकिन चार्ल्स के पूरे शासनकाल के दौरान महाराजा और महारानी (बर्किंघम पैलेस के) निकट स्थित वलेरेस हाउस में निवास करेंगे। महाराजा के वित्तीय मामलों की देखरेख करने वाले वरिष्ठ शाही अधिकारी जेम्स चार्ल्स ने कहा, ‘ बर्किंघम पैलेस राजशाही का मुख्यालय है और आगे भी बना रहेगा। यह हमारे राष्ट्रीय भवनों का सबसे अनमोल रत्न है। ’ इस निर्णय की घोषणा बृहस्पतिवार को शाही वित्तीय मामलों पर आयोजित एक व्रीफिंग के दौरान की गई। इसी अवसर पर किंग चार्ल्स देश के पहले ऐसे सम्राट भी बने, जिन्होंने सार्वजनिक रूप से यह जानकारी दी कि उन्होंने सरकार को कितना कर अदा किया।



विटामिन बी6 की जांच करने वाले एक पेशोलांजिस्ट ने बताया कि मई में की गई जांच में लगभग 4.5 प्रतिशत नमूनों में ऐसे संकेत मिले जो तंत्रिकाओं को नुकसान की संभावना की ओर इशारा करते हैं। विटामिन बी6 को पायरीडॉक्सीन भी कहा जाता है। यह शरीर में प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट और वसा के चयापचय में अहम भूमिका निभाता है। यह मस्तिष्क में न्यूट्रोटांस्मीटर के उत्पादन, प्रतिरक्षा प्रणाली के समर्थन और हीमोग्लोबिन उत्पादन में भी सहायक होता है। मस्तिष्क के कामकाज और व्यक्ति के मिजाज के नियमन में न्यूट्रोांस्मीटर की अहम भूमिका होती है।

विचार हरिभूमि 2

नहीं होगा। कोचिंग उद्योग ने बार-बार साबित किया है कि युवाओं की सुरक्षा और शिक्षा को उसके भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता।

नैतिक प्रश्न

जो समाज एक ही शहर में 147 से अधिक छात्रों की आत्महत्या देखता है, और राष्ट्रीय स्तर की परीक्षा के प्रश्नपत्र चोरी होने देता है, उसे स्वयं से कठिन प्रश्न पूछने होंगे। समस्या की जड़ कोचिंग नहीं है। जड़ वे परीक्षाएँ हैं जिन्होंने ऐसी व्यवस्था बनाई जहाँ सफलता समझ पर नहीं, बल्कि रटने और गति पर निर्भर हो गई।

कोचिंग संस्थानों ने बस उसी व्यवस्था का बेरहमी से लाभ उठाया। वे टूटे सपनों और अभिभावकों की मजबूरी से कमाई करते हैं, वे भारी फीस लेते हैं। असुरक्षित भवनों में पढ़ाते हैं। छात्रों को आत्महत्या की कगार तक पहुँचा देते हैं। और यह सब कानून के दायरे में होता है, क्योंकि इसे रोकने की राजनीतिक इच्छाशक्ति नहीं है।

असली शिक्षा

क्या हमें कोचिंग चाहिए? नहीं। हमें यह पूछना चाहिए कि हमने ऐसी व्यवस्था क्यों बनाई जिसमें 3 से 4 करोड़ किशोर अपने जीवन के सबसे सुंदर वर्ष परिवार से दूर, तनाव में और भय के वातावरण में बिताने को मजबूर हैं। यह व्यवस्था छात्रों की नहीं, बल्कि हजारों करोड़ रुपये के उद्योग की सेवा कर रही है।

आगे का रास्ता

लखनऊ और कोटा जैसी त्रासदियाँ हमारे लिए अंतिम चेतावनी होनी चाहिए। हम विश्वविद्यालय प्रवेश प्रणाली का विकेंद्रीकरण कर सकते हैं। स्कूलों को मजबूत बना सकते हैं। उच्च शिक्षा तक पहुँचने के अनेक रास्ते बना सकते हैं। छात्रों का मूल्यांकन केवल अंकों से नहीं, बल्कि उनके कौशल और क्षमता से कर सकते हैं। दुनिया के कई ऐसे देश, जो भारत से भी कम संसाधनों वाले हैं, यह कर चुके हैं। या फिर हम उसी व्यवस्था का बचाव करते रहें जो हमारे बच्चों को मानसिक और शारीरिक रूप से तोड़ रही है, केवल इसलिए कि कोचिंग उद्योग का मुनाफा बना रहे। चुनाव हमारे सामने हैं। अब समय आ गया है कि हम स्वयं से पूछें-हम वास्तव में हासिल क्या करना चाहते हैं? यदि उद्देश्य सबसे योग्य छात्रों को अच्छे विश्वविद्यालयों तक पहुँचाना है, तो उसके बेहतर रास्ते मौजूद हैं। यदि उद्देश्य शिक्षा को सभी के लिए सुलभ बनाना है, तो कोचिंग उसका समाधान नहीं, बल्कि सबसे बड़ी बाधा है। वास्तविक सुधार का अर्थ है नीट और जी जैसे एकमात्र परीक्षा-आधारित दबाव को समाप्त करना। बाकी सब तो बस डूबते जहाज पर कुर्सियाँ इशर-उधर करने जैसा है।

(लेखक प्रसिद्ध शिक्षाविद हैं, वे उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया haribhoomi@gmail.com पर दे सकते हैं।

किसी के बारे में पहले से राय नहीं बनानी चाहिए

बुद्ध अपने शिष्यों को अलग-अलग घटनाओं की मदद से भी उपदेश दिया करते थे। उनका एक शिष्य ऐसा था जो किसी से ज्यादा कुछ बोलता नहीं था। वह सिर्फ अपने काम पर ध्यान देता, काम पूरा होने के बाद एकांत में चला जाता। वह ध्यान में बैठे रहता था। कुछ शिष्य बुद्ध से एकांत में रहने वाले शिष्य की शिकायतें करने लगे। धीरे-धीरे उस शिष्य की बुराई ज्यादा होने लगी। बुद्ध के पास उस शिष्य की शिकायतें और ज्यादा पहुंचने लगी तो बुद्ध ने सोचा कि इस शिष्य से बात करनी होगी, उसके लिए इतनी शिकायतें क्यों आ रही हैं? एक दिन बुद्ध ने एकांत में रहने वाले शिष्य से पूछा कि तुम ऐसा क्यों करते हो? सभी लोग तुम्हारी शिकायतें कर रहे हैं। उस शिष्य ने कहा कि तथ्यागत आपने घोषणा कर रखी है कि कुछ दिनों में आप ये संसार छोड़े देंगे तो मैंने ये तय किया है कि जब तक आप यहां हैं, मैं आपसे एकांत और मौन का महत्व समझ लूं। आपके बाद मुझे इन बातों को कोई और कैसे समझाएगा। शिष्य की बातें सुनकर बुद्ध ने अन्य शिष्यों से कहा कि तुम सभी इस शिष्य की गलत शिकायतें कर रहे हो। तुम लोगों ने इसे जाने बिना इसके बारे अपनी गलत राय बना ली है। तुमने देखा कुछ और समझा कुछ। तुम सभी की आदत है कि दूसरों को गलत तरीके से परखते हो।ध्यान रखें हम किसी भी व्यक्ति के लिए जल्दबाजी में कोई राय नहीं बनानी चाहिए।किसी व्यक्ति से मिलते समय उसके बारे में पहले से कोई राय न बनाएं। पहले उस व्यक्ति की गतिविधियों को देखें, समझें और फिर किसी नतीजे पर पहुंचना चाहिए।



नार्को-कार्टेल्स

भारत ने नशीली दवाओं के दुरुपयोग की वैश्विक चुनौती के खिलाफ सबसे मजबूत लड़ाई लड़ी है, इसके तहत नार्को-कार्टेल्स को सख्ती से खत्म किया गया है और प्रभावित लोगों का उचित देखभाल और सहानुभूति के साथ इलाज किया गया है।

- अमित शाह, केंद्रीय गृहमंत्री

मारवाड़ी समाज का योगदान

आधुनिक असम की नींव कई समुदायों की दृष्टियों की कड़ी मेहनत पर टिकी है, जिसमें मारवाड़ी समाज भी शामिल है। अस्पतालों से लेकर समाज-सेवा करने वाली संस्थाओं तक, हर संस्थान उनके अहम योगदान की गवाही देता है।

- हिमंत बिस्वा सरमा, सीएम, असम

आत्मनिर्भर भारत

भारत की रक्षा शक्ति को मिली एक और बड़ी मजबूती। स्वदेशी 'नेत्र' एड्रेंडक्यू और सी सिस्टम को अतिम परिचालन मंजूरी मिलने से भारतीय वायुसेना की निगाहों में, समय रहते खतरे की पहचान और रणनीतिक क्षमता को नई ताकत मिलेगी। आत्मनिर्भर भारत का संकल्प निरंतर साक्षर हो रहा है।

- सबाट चौधरी, सीएम, बिहार

बंकिम चंद्र को नमन

बंकिम चंद के दोनो हाथों ने समाज शक्ति थी, वे दोनो हाथों का समाज रूप से उपयोग करने वाले थे... एक हाथ से उन्होंने साहित्यिक ज्ञान का प्रकाश फैलाया और दूसरे हाथ से अज्ञान और गलत धारणाओं के धुएँ और राख को दूर किया।

- मल्लिकार्जुन खर्गे, अटल, कांग्रेस

हमारा पता

हरिभूमि कार्यालय

रिंग रोड नं. 2, नौगढ़पुर, बिलासपुर
फोन : 401050,271016,फैक्स-271018
ई-मेल : haribhoomibsp@gmail.com
वेब-साइट : www.haribhoomi.com

एनटीपीसी ने मॉरीशस में किया कंपनी का गठन

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की बिजली कंपनी एनटीपीसी लिमिटेड ने मॉरीशस में अपनी पूर्ण स्वामित्व वाली अनुभगी कंपनी 'एनटीपीसी (मॉरीशस) एनर्जी लिमिटेड' का गठन किया है। कंपनी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि एनटीपीसी (मॉरीशस) एनर्जी लिमिटेड प्रस्तावित फ्लोटिंग सौर फोटोवोल्टिक (एफएसपीवी) परियोजना को बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली (बोईएसएस) के साथ विकसित करेगी।

सेशेल्स से होंगे अहम समझौते आज से मोदी का तीन दिनी दौरा



एजेंसी ►► नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 11 वर्ष बाद सेशेल्स की राजकीय यात्रा पर जाकर दोनों देशों के रणनीतिक और कूटनीतिक संबंधों को नई मजबूती देंगे। यात्रा के दौरान शीर्ष नेतृत्व के बीच द्विपक्षीय सहयोग, क्षेत्रीय सुरक्षा और वैश्विक मुद्दों पर व्यापक चर्चा होने की संभावना है। मोदी आज 27 से 29 जून तक सेशेल्स की राजकीय यात्रा पर रहेंगे। वह सेशेल्स के राष्ट्रपति डॉक्टर पैट्रिक हमिनी के विशेष आमंत्रण पर राष्ट्रीय दिवस स्वर्ण जयंती समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शामिल होंगे। विदेश मंत्रालय ने बताया कि इस समारोह में भारतीय रक्षा बलों की एक टुकड़ी और नौसेना के दो युद्धपोत भी हिस्सा लेंगे।

11 साल बाद दूसरा दौरा, संसद को संबोधित करेंगे मोदी

पीएम मोदी सेशेल्स की संसद को संबोधित करेंगे और वहां रह रहे भारतीय समुदाय से संवाद करेंगे। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री मोदी ने इससे पहले साल 2015 में सेशेल्स की यात्रा की थी। मौजूदा यात्रा पूरे 11 साल बाद दोबारा होने जा रही है। यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति पैट्रिक हमिनी के बीच एक उच्च स्तरीय बैठक होगी। इसमें द्विपक्षीय सहयोग के सभी पहलुओं की समीक्षा की जाएगी।

बातचीत के बाद उत्तराखंड में निहंगों का विरोध शांत नगरासू और कर्णप्रयाग गुरुद्वारा पर था विवाद

एजेंसी ►► नई दिल्ली

नगरासू और कर्णप्रयाग गुरुद्वारा विवाद को लेकर निहंग सिखों और उत्तराखंड पुलिस के बीच चला तनाव अब खत्म हो गया है। पूरी रात चली बातचीत के बाद शुक्रवार सुबह तड़के निहंग वापस लौट गए।

दरअसल 25 जून को निहंगों ने पहले से ऐलान कर रखा था कि वे पंजाब और हिमाचल प्रदेश से उत्तराखंड की तरफ कूच करेंगे। इसकी वजह कर्णप्रयाग और नगरासू गुरुद्वारों में हुआ एक पुराना विवाद था, जिसमें पुलिस ने चार निहंगों को गिरफ्तार कर लिया था। इसी गिरफ्तारी के विरोध में निहंगों का जत्था हिमाचल-उत्तराखंड बॉर्डर पर मौजूद कुल्हाल चेक पोस्ट पर पहुंचा



था। पांवटा साहिब में प्रशासन के साथ बातचीत हुई और मामला शांत हो गया। वार्ता में शामिल कांग्रेस नेता और सिख समाज के प्रतिनिधि अमरजीत

निहंगों की रिहाई की थी मांग

निहंगों ने साफ कहा था कि उनका मकसद टकराव या कबूल व्यवस्था बिगाड़ना नहीं है, बल्कि वे शांति से हेमकुंड साहिब की यात्रा करना चाहते हैं और अपने गिरफ्तार साथियों की जमानत चाहते हैं। इसके बाद निहंग वापस पांवटा साहिब लौट गए कुछ निहंग छोटे-छोटे गुटों में अलग-अलग जगहों पर चले गए।

सिंह, डीएम आशीष चौहान और एसएसपी प्रमनंद डोवाल ने भी कहा कि पूरा मामला शांति से संभाल गया है और स्थिति सामान्य है।

नीट यूजी रिफंड का ऐलान, 30 तक बैंक जानकारी करें अपडेट

नई दिल्ली। अगर आपने नीट यूजी 2026 की दोबारा परीक्षा दी थी, तो आपके लिए एक अच्छी खबर है। एनटीए ने रिफंड की प्रक्रिया शुरू कर दी है। छात्रों को बस 30 जून तक एनटीए पोर्टल पर अपनी बैंक की जानकारी अपडेट या कन्फर्म करनी होगी, ताकि आपका पैसा आपको समय पर मिल जाए। अगर आप यह समय सीमा चूक जाते हैं, तो आपको रिफंड के लिए लंबा इंतजार करना पड़ सकता है।

बैंक की जानकारी अपडेट करें

छात्र neet.nta.nic.in पर अपने एप्लिकेशन नंबर और पासवर्ड का इस्तेमाल करके लॉगिन करें। ओटीपी से वेरिफाई करने के बाद आप अपनी बैंक की जानकारी जमा कर सकते हैं। इसके साथ ही, अगर आप 21 जून को हुई परीक्षा के किसी भी जवाब को चुनौती देना चाहते हैं, तो प्रेविजनल आंसर की भी जारी कर दी गई है। आप 25 जून से 28 जून की रात 11:50 बजे तक प्रति प्रश्न 200 रुपये का शुल्क देकर अपनी आपत्ति दर्ज करा सकते हैं। इसके लिए आपको पोर्टल पर सहायक दस्तावेज अपलोड करने होंगे।



एजेंसी ►► नई दिल्ली

ऑडी और पोर्श जैसी लगजरी कार बनाने वाली यूरोप की सबसे बड़ी ऑटो कंपनी अब ग्लोबल स्तर पर लोगों को नौकरी से निकालने की तैयारी कर रही है। फॉक्सवैगन एजी को लगजरी और स्पोर्ट्स कार बनाने के बारे में जाना जाता है। लैम्बोर्गिनी, स्कोडा और डुकाटी को भी इसी कंपनी ने बनाया है। यह कंपनी करीब 1 लाख लोगों को नौकरी से निकालने पर विचार कर रही है और कई कारखानों को भी बंद किया जा सकता है। मैनेजर मैगजिन की रिपोर्ट में कहा गया है कि यूरोप की सबसे बड़ी ऑटोमोबाइल कंपनी ज़्यादा कम्पेटिटिव बनाने के लिए एक्स्ट्रा जॉब्स में कटौती की योजना बना रही है। छंटनी का ये प्लान कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ओलिवर ब्लूम के प्रयासों का हिस्सा है।

657,000 लोग करते हैं काम

ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट में कहा गया है कि इस सप्ताह की शुरुआत में मैनेजिंग बोर्ड की बैठक के दौरान सीईओ ने एक प्रस्ताव पेश किया था, जिसके तहत कर्मचारियों की संख्या में दोबुनी कटौती करके 100,000 तक की छंटनी शामिल है। पोर्श और ऑडी की मालिक कंपनी फॉक्सवैगन ग्रुप में मौजूदा समय में लगभग 657,000 लोग काम करते हैं। सीईओ के इस नए प्रस्ताव को अगले महीने बोर्ड के सामने रखा जाएगा। ऐसे में फैसला अब सिर्फ बोर्ड के ऊपर है कि वह कितने लोगों की छंटनी पर मोहर लगाता है या फिर कोई अन्य रास्ता तलाश लेता है।



खर्चों में 11 अरब यूरो की कटौती करना है

रिपोर्ट के मुताबिक, उनकी रणनीति में इस दशक के अंत तक सामान्य खर्चों में 11 अरब यूरो (12.5 अरब डॉलर) की कटौती करना है, जिस कारण इतने बड़े स्तर पर छंटनी की तैयारी चल रही है। वहीं मिड टर्म में जर्मनी में चार कारखाने बंद करना भी शामिल है। इनमें नेकर-युलम में ऑडी का एक कारखाना और हनोवर, ज़िचकाऊ और एड्डेन में वीडब्यू के प्लांट शामिल हैं।

होर्मुज में फिर बढ़ा तनाव

ओमान के पास जहाज पर हमला जहाजों का निकासी अभियान रोक

एजेंसी ►► ताइवान

मिडिल ईस्ट में सामान्य होते हालात के बीच स्ट्रेट ऑफ होर्मुज की लेकर नई चिंता सामने आई है। ब्रिटिश समुद्री सुरक्षा एजेंसी यूके मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशंस के मुताबिक, सिंगापुर के झंडे वाला मालवाहक जहाज एवर लवली ओमान के समुद्री क्षेत्र के पास यात्रा कर रहा था, तभी उस पर एक प्रोजेक्टाइल (विस्फोटक वस्तु) से हमला हुआ।

इस घटना के बाद संयुक्त राष्ट्र के इंटरनेशनल मैरीटाइम ऑर्गनाइजेशन ने खाड़ी क्षेत्र से फंसे जहाजों को निकालने का काम अस्थायी रूप से रोक दिया है। अमेरिका और ईरान के बीच शांति समझौते पर सहमत होने के बाद, यूएन की एजेंसी इस क्षेत्र में फंसे जहाजों और नाविकों को निकालने में जुटी थी।

गलत रास्ते का कर रहे

ये इस्तेमाल : ईरान

यह घटना उस समय सामने आई जब ईरान ने जहाजों को स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के उन रास्तों से न गुजरने को कहा था जिस मार्ग को तेहरान ने मंजूरी नहीं दी है। ईरान के पश्चिम गल्फ स्ट्रेट अथॉरिटी ने कहा था कि जो भी जहाज तय किए गए मार्गों के बाहर से गुजरेंगे, उन्हें सुरक्षित रास्ते की गारंटी नहीं दी जाएगी। हालांकि आईएसओ ने यह भी साफ किया कि जिस जहाज पर हमले की रिपोर्ट आई है, वह उसके निकासी अभियान का हिस्सा नहीं था।



स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से निकलने के लिए बनाए गए थे दो रास्ते

आईएसओ की ओर से शुरू किए गए इस अभियान के तहत जहाजों को खाड़ी क्षेत्र से बाहर निकलने के लिए दो वैकल्पिक रास्ते दिए गए थे. पहला मार्ग ईरानी जल क्षेत्र से होकर जाता था, जबकि दूसरा ओमान के समुद्री क्षेत्र से होकर गुजरता था. इस पूरी प्रक्रिया पर अमेरिका की निगरानी थी. हालांकि, हमले की घटना के बाद इस व्यवस्था की सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं।

ईरान ने कहा- रास्तों पर रहेगा उसका नियंत्रण

ईरान ने संकेत दिया कि स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में नौवहन व्यवस्था पर उसका नियंत्रण जारी रहेगा। आईआरजीसी ने कहा कि सुरक्षित मार्ग केवल उन्हीं रास्तों पर मिलेगा जिन्हें तेहरान ने निश्चित किया है। ईरानी गाइड्स ने चेतावनी दी कि जो जहाज इन निर्देशों का पालन नहीं करेंगे, उनके खिलाफ कार्रवाई की जा सकती है।

ताजिया जुलूस हाई-टेंशन तार की चपेट में आया, 3 की मौत



■ मग्न के रतलाम में हादसा

भोपाल। मध्य प्रदेश के रतलाम में गुरुवार रात को एक तजिया जुलूस के दौरान एक दर्दनाक हादसा हो गया। जुलूस निकालते समय तजिया हाई-टेंशन बिजली के तारों से खू गया। इस हादसे में 3 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 10 लोग घायल हो गए। यह घटना रात करीब 11:15 बजे हल्लारा गांव में हुई। पुलिस का कहना है कि वे अभी भी इस बात की जांच कर रहे हैं कि आखिर यह हादसा कैसे हुआ।

मातमी जुलूस बदला मातम में समुदाय में सदमा

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि बिजली का झटका सबसे पहले उन लोगों को लगा जो तजिया उठा रहे थे, और फिर इसकी चपेट में पड़ खड़े दूसरे लोग भी आ गए। रतलाम मेडिकल कॉलेज के डॉ. रवींद्र सोलंकी ने जानकारी दी कि 3 लोगों को मृत अवस्था में अस्पताल लाया गया था, जबकि बाकी घायलों का इलाज अलग-अलग अस्पतालों में चल रहा है। इस घटना से स्थानीय समुदाय सदमे में है। यह दुःखद हादसा एक धार्मिक आयोजन के दौरान हुआ, जिसकी वजह से पूरे इलाके में शोक का माहौल है।

MARUTI CLEAN COAL AND POWER LIMITED

NOTICE INVITING TENDER FOR FLY / POND ASH LOADING, UNLOADING & BACK FILLING WITH SOIL

Ref. No: MCCPL/Ash Loading/2026/002
Description: We, Maruti Clean Coal and Power Limited (MC CPL), are operating 1x300 MW Thermal Power Plant at Village-Bandhakhar, Tehsil-Pali, District - Korba (Chhattisgarh). Invites proposal for Loading, Unloading of Fly Ash and Bottom Ash from Intermediate silo / Pond ash at the designated location & Dozing, Leveling & Back Filling with Soil.

Rates may be quoted as below :

- * Loading Rs per MT (If loaded from other than silo)
- * Un loading Rs per MT
- * Dozing & Leveling (Mines Area) Rs per MT
- * Back Filling with Soil at low lying area with dozing & Leveling Rs per MT

Note*-. Detailed scope of work will be as per mentioned in tender document. Quantity allocation may be awarded to one or more than one bidders.

Eligibility Criteria: Bidder must have sufficient numbers of earth mover vehicles to execute the work. Proof of owned earth mover vehicles is required to be submitted to get qualifies. Bidder should have completed or carried out similar nature of work i.e. Loading, Unloading of Fly / Pond ash and Dozing, Leveling & Back Filling with Soil during the last (05) five years as on the last date of Bid submission. The relevant documents need to be submitted along with the bid. Interested and eligible bidders may collect Detailed Tender Document from below mentioned address & submit their bid in sealed envelope on or before closing date and time.

Tender document available :

- from 27.06.2026 at 11.00 Hrs. to 03.07.2026 at 16.00 Hrs.
- 07.07.2026 up to 17.00 Hrs.

Last date of Bid submission
Contact details : Deepak Kumar Pattanaik
Mob No : +91-9692159526
Address : Maruti Clean Coal and Power Limited
Vill-Bandhakhar, Tehsil Pali, Distt-Korba (CG)-495449.

-S/d-

Maruti Clean Coal and Power Limited

नासकॉम के एक रिपोर्ट में अनुमान की दी जानकारी

एआई सेवाओं से भारतीय आईटी कंपनियां 12 अरब डॉलर कमाएंगी

एजेंसी ►► नई दिल्ली

भारतीय प्रौद्योगिकी सेवा उद्योग को कृत्रिम मेधा (एआई) आधारित सेवाओं से 10-12 अरब अमेरिकी डॉलर का राजस्व अर्जित करने का अनुमान है और करीब एक-चौथाई

कंपनियां एआई के प्रयोगों को सफलतापूर्वक उत्पादन स्तर पर लागू कर चुकी हैं। उद्योग संघ ने नैसकॉम ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। न्यूयॉर्क में आयोजित 'नासकॉम यूएस सीईओ फोरम' में उद्योग जगत के दिग्गजों ने उन चिंताओं को खारिज कर दिया, जिनमें कहा जा रहा था कि एआई के आने से पारंपरिक सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) सेवाओं का महत्व कम हो जाएगा। नेसकाम ने कहा कि एआई के इस दौर में भी वैश्विक कंपनियों के



बदलाव में आईटी क्षेत्र की भूमिका महत्वपूर्ण बनी रहेगी। नासकॉम के अनुसार, एआई से उत्पादकता बढ़ेगी और मानकीकृत तथा दोहराए जाने वाले कार्यों का दायरा घटेगा। हालांकि, इसके साथ ही एआई के उपयोग के लिए आंकड़ों को तैयार और व्यवस्थित करने, अनुप्रयोगों के आधुनिकीकरण, विभिन्न प्रौद्योगिकियों के एकीकरण, एआई प्रशासन, साइबर सुरक्षा, एजेंट प्रबंधन तथा उद्योग-विशिष्ट समाधानों की मांग में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।

बयान के मुताबिक, लगभग 25 प्रतिशत प्रौद्योगिकी सेवा कंपनियों ने एआई प्रयोगों को उत्पादन स्तर पर लागू कर दिया है।

वर्ष 2030 तक एजेंटिक एआई सेवा

नासकॉम के अनुसार, वर्ष 2030 तक 'एजेंटिक एआई' प्रौद्योगिकी सेवा उद्योग के लिए 300 से 400 अरब डॉलर के अतिरिक्त संभावित व्यय अवसर उपलब्ध करा सकता है। इसमें पुरानी प्रणालियों के आधुनिकीकरण, ए-आई परिवर्तन, साइबर सुरक्षा और प्रशासन जैसे क्षेत्र शामिल होंगे।



MARUTI CLEAN COAL AND POWER LIMITED

NOTICE INVITING TENDER FOR FLY, BOTTOM / POND ASH DISPOSAL/TRANSPORTATION

Ref. No: MCCPL/Ash Transportation/2026/001
Description: We, Maruti Clean Coal and Power Limited (MC CPL) are operating 1x300 MW Thermal Power Plant at Village-Bandhakhar, Tehsil-Pali, District - Korba (Chhattisgarh). Invites proposal for Fly / Pond ash disposal Transportation of 10 Lakhs MT of ash from our plant to ...

1) Low lying areas (Area will be arranged by Bidder . All required compliances will be in scope of Bidder) .

2) Highway construction

3) And/or other Location

Transportation to be done through self-tipping Open Tipper/Trucks but dully covered with tarpaulin or suitable means as per applicable MOEF & CC Notifications & guidelines

Rates may be quoted as below :

- * Rs. per MT per km up to 50 kms (Fly Ash Silo & Bottom Ash from Intermediate silo), Rs. (From Ash Pond) per MT per km up to 50 kms
- * Rs. per MT per km 51-100 kms (Fly Ash Silo & Bottom Ash from Intermediate silo), Rs. per MT per km 51-100 kms (From Ash Pond)
- * Rs. per MT per km 101-150 kms (Fly Ash Silo & Bottom Ash from Intermediate silo), Rs. (From Ash Pond) per MT per km 101-150 kms

Note*-. Detailed scope of work will be as per mentioned in tender document. Quantity allocation may be awarded to one or more than one bidders.

Eligibility Criteria: Bidder must have fleet of 25 or more vehicles. Proof of fleet is required to be submitted to get qualify . Bidder should have completed or carried out similar nature of work i.e. Transportation of Fly/Pond Ash for Low lying/Mines/Highway areas during the last (05) five years as on the last date of Bid submission. The relevant documents need to be submitted along with the bid. Interested and eligible bidders may collect Detailed Tender Document from below mentioned address & submit their bid in sealed envelope on or before closing date and time.

Tender document available: from 27.06.2026 at 11.00 Hrs. to 03.07.2026 at 16.00 Hrs.

Last date of Bid submission : 07.07.2026 up to 17.00 Hrs.
Contact details : Deepak Kumar Pattanaik
Mob No : +91-9692159526
Address : Maruti Clean Coal and Power Limited
Vill-Bandhakhar, Tehsil Pali, Distt-Korba (CG)-495449.

-S/d-

Maruti Clean Coal and Power Limited

एफआईआर

2 हजार से अधिक लोगों ने शहर के विभिन्न थानों में धारा 420, 406, 407 के तहत एफआईआर भी दर्ज कराई

10 साल पहले बिलासपुर में एक ऐसा भी समय आया जब पूरा शहर ही देशी-विदेशी पुस्तकों की स्कैनिंग कर पीडीएफ फाइल बनाने लग गया था। इसमें आम आदमी के साथ ही शहर के बड़े कारोबारी, नेता, डाक्टर, सीए और दूसरे लोग शामिल थे। जब तक लोगों को इस पूरे खेल का पता चलता, गुड़गांव की सेमटाइम कंपनी 100 करोड़ रुपए से अधिक की गड़बड़ी कर फरार हो गई। 2 हजार से अधिक लोगों ने शहर के विभिन्न थानों में धारा 420, 406, 407 के तहत एफआईआर भी दर्ज कराई, लेकिन शहर के एक दो लोगों की गिरफ्तारी के अलावा कंपनी संचालक का आज तक पता नहीं चल सका।

किताबों को स्कैनिंग करने का झांसा, 100 करोड़ लेकर फरार हो गई सेमटाइम कंपनी

बिलासपुर से विकास चौबे

पीड़ितों के मुताबिक पुरानी देसी व विदेशी पुस्तकों को स्कैन करके पीडीएफ फॉर्मेट में काम करने कहा जाता था। बाद में इन डॉक्यूमेंट को गूगल में अपलोड करने की बात कही गई। लोगों को लगा कि ई-बुक्स के दौर में गूगल ही ऐसी कंपनी चला रहा होगा। बाद में मालूम पड़ा कि सेम टाइम कंपनी का छत्तीसगढ़ में बिलासपुर में ही दफ्तर है। यहाँ गुजरात व महाराष्ट्र वालों ने भी अपना पैसा लगाया था। कोरबा, जांजगीर चांपा, रायपुर सहित प्रदेश के अन्य लोग भी ठगी के शिकार हुए। यह एक बहुत बड़ी करोड़ों की धोखाधड़ी (स्कैम) का मामला है, जो मुख्य रूप से 2016-2017 के दौरान बिलासपुर में सामने आया। सेम टाइम कंपनी लोगों/एजेंटों को किताबें घर लाकर उन्हें स्कैन करके पीडीएफ बदलने का काम देती थी। इसके बदले एजेंटों को हर महीने लाखों रुपए कमाने का लालच दिया जाता था। काम शुरू करने के लिए कंपनी पहले एजेंटों से मोटी रकम (रजिस्ट्रेशन या किट के नाम पर) वसूलती थी। बाद में कंपनी के संचालक दफ्तरों में ताला लगाकर अचानक फरार हो गए। इसका नतीजा यह निकला कि बिलासपुर में ही करीब 2,000 एजेंटों के घरों में लाखों रुपए की किताबें डंप हो गईं और वह पूरी तरह कबाड़ में तब्दील हो गईं। शहर के लोगों ने कंपनी में एक लाख रुपए से लेकर 40-50 लाख और एक करोड़ तक लगा दिया। कुछ बैंक अधिकारियों के नामों का भी पता चला, जिन्होंने बैंक का पैसा इस कंपनी में अपने रिश्तेदारों के माध्यम से लगा दिया। पैसा डूबने के बाद और कार्रवाई के डर से इधर-उधर से भरपाई की गई।



छत्तीसगढ़ और बाहरी राज्यों में नेटवर्क

जब कंपनी अचानक बिलासपुर का अपना दफ्तर बंद कर गयाब हो गई, तब ठगे गए एजेंटों ने बिलासपुर के सिविल लाइन थाने और तारबाहर थाने में शिकायतें दर्ज कराईं। इस पूरे फर्जीवाड़े का मुख्य संचालक छत्तीसगढ़ और बाहरी राज्यों में नेटवर्क चला रहा था। वह लोगों को वर्क फ्रॉम होम और पार्ट-टाइम जॉब का लालच देता था। पीड़ितों में बड़ी संख्या में छात्र और गृहिणियां भी शामिल थीं, जो कि इस झांसे में आकर अपनी जमा पूंजी गंवा चुके हैं। पुलिस के मुताबिक महाराणा प्रताप चौक में एक आफिस था, जहां से लोगों को पुस्तकें दी जाती थीं। इसे लेने रोज पहुंचते थे। लगातार दो दिन यह आफिस बंद मिला, तो लोगों ने शहर में फ्रेंचाइजी लेने वाले आशीष सिन्हा के नंबर पर कॉल किया। यह नंबर रिव्वर आफ था, रकम लगाने वालों ने गुड़गांव हेड आफिस भी संपर्क किया। पुलिस ने कंपनी के संचालक गुड़गांव के राघवेंद्र सलूजा व शहर के आशीष सिन्हा के खिलाफ धारा 420 के तहत जुर्म दर्ज किया। पुलिस ने कंपनी के केंद्रों पर छापेमारी की, तो वहां केवल हजारों की संख्या में पुरानी और रद्दी किताबें मिलीं।



100 करोड़ की लागत से यूनिवर्सिटी खोलना चाहता था आशीष

पुलिस की पूछताछ में इस बात का भी खुलासा हुआ कि बिलासपुर में सेमटाइम कंपनी का संचालक आशीष सिन्हा बिलासपुर में 100 करोड़ की लागत से यूनिवर्सिटी खोलने वाला था। गुड़गांव की कंपनी एपीएस ने इसमें उसे मदद करने का आश्वासन दिया था। सेमटाइम संचालक आशीष सिन्हा को एपीएस कंपनी के संचालक राघवेंद्र सलूजा ने कारोबार करने के पखज में कई बड़े लालच दिए थे। आशीष ने यूनिवर्सिटी के लिए जगह भी देख ली थी। इस बीच एपीएस संचालक ने गड़बड़ी कर दी। उसका दफ्तर बंद हो गया तो लोगों को ठगी का संदेह हुआ और उन्होंने पुलिस से शिकायत कर दी। हेड आफिस बंद होने की खबर मिलते ही आशीष भी सेमटाइम बंद कर भूमिगत हो गया था। पैसा लगाने वालों को जबरदस्त इनकम नजर आई तो किताब स्कैन करने के नाम पर कंप्यूटर खरीदकर आफिस भी खोल रखे थे।

चालान पेश, मुख्य आरोपी फरार

इस मामले में पुलिस अधिकारियों का कहना है कि प्रकरण में मुख्य आरोपी फरार है। बाकी कुछ लोगों की गिरफ्तारी की गई है, मामले का चालान भी अदालत में पेश कर दिया गया है। कुछ आरोपी जमानत पर हैं। फैसला आना बाकी है।

कई करोड़पति भी जुड़े और लाखों लगा दिए

ठेके के नाम पर शहर में रहने वाले लोगों को लाभ कमाने का लालच देकर प्रति काफी 6 रुपए मिलने की बात कहकर सैकड़ों लोगों को कंपनी से जोड़ लिया गया। लाभ कमाने के चक्कर में शहर के कई करोड़पति भी जुड़ गए और लाखों रुपए कंपनी में पीडीएफ बनाने के लिए लगा दिए। शहर के कई क्षेत्रों में बकायदा बड़े बड़े आफिस भी खुल गए और स्टाफ रखे गए। जब गुड़गांव की कंपनी के खाते में 100 करोड़ के लगभग आ गए तो कंपनी संचालक कार्यालय में ताला लगाकर फरार हो गया। सबसे पहले कंपनी में 55 लाख लगाने वाले सूर्य हटल के संचालक सुनील छाबड़ा सिविल लाइन थाना पहुंचे रिपोर्ट लिखाई। इसके बाद शहर के बड़े-बड़े 30 से ज्यादा रसूखदारों ने कंपनी के खिलाफ मामला दर्ज कराया।

घार और कंपनियों में भी डाले गए पैसे

बिलासपुर में सबसे पहले नीतिश चौबे नाम के एक व्यक्ति ने सेमटाइम कंपनी का पहला फ्रेंचाइजी लिया था। नीतिश चौबे के संपर्क में आकर आरोपी आशीष सिन्हा ने भी अक्टूबर 2016 में कंपनी शुरू कर दी। इन्होंने सेमटाइम कंपनी की नैना बाई इंदू चौक के पास खोल रखी थी। कंपनी में इन्वेस्ट करने वाले अपनी इच्छानुसार अलग-अलग जगहों में आफिस खोल कर कर्मचारियों की नियुक्ति करके किताबें स्कैन करने का काम करते थे। इसके बाद सेमटाइम कंपनी के घर ने अधिक सिस्टर कंपन कंपनियां भी थीं। इनमें सेमटाइम आईटी केयर, सेमटाइम इंप्रो केयर, सेमटाइम एजुकेशन केयर (ईडीयू), सेमटाइम इम्पॉटेक सहित अन्य शामिल थे। इनके भी बैंकों में खाते हैं और जानकारी मिली है कि इनमें बाकायदा पैसे भी जमा कराए जा रहे थे। इन कंपनियों के पार्टनर सेमटाइम कंपनी के आशीष सिन्हा के साथी व कथित सीए के फैमिली के लोग जुड़े थे और कंपनियों के डायरेक्टर भी थे।

अंधविश्वास के खिलाफ उसने आवाज उठाई। उसने भारी पंचायत में अंधविश्वास फैलाने वाले को ना सिर्फ बेनकाब किया, बल्कि उसे सर्थ दण्ड भी दिलवाया। लेकिन उसे क्या पता था कि इसका खामियाजा उसे अपनी जान देकर चुकानी पड़ेगी। यह सनसनीखे मामला राजनांदगांव जिले के डोंगरगांव थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम मारगांव का है, जहां अंधविश्वास उजागर करने पर अंधविश्वास फैलाने वाले को सजा तो मिली, लेकिन इसके खिलाफ आवाज उठाने वाला हमेशा के लिए खामोश कर दिया गया।



राजनांदगांव से हफीज खान

अंधविश्वास का विरोध, बैठक में मिला अर्थ दण्ड फिर हुई हत्या की सनसनीखेज वारदात

क्वांर नवरात्रि वर्ष 2025 को अंधविश्वास का एक ऐसा मामला सामने आया, जिसने गांव के ही एक व्यक्ति की जान ले ली। दरअसल जिले के मारगांव निवासी महेश सिन्हा ने नवरात्रि पर्व के दौरान गांव की ही एक महिला के घर के बाहर माता लक्ष्मी के पदचिह्न बनाकर चमत्कार की अफवाह फैला दी। कुछ लोग इसे दैवीय चमत्कार मानने लगे, लेकिन इसे अंधविश्वास मानकर गांव के ही अंगेश्वर साहू ने इसके खिलाफ आवाज उठाई। जिसके बाद इस अंधविश्वास को लेकर गांव में एक बैठक रखी गई। सबूत और तर्कों के बाद, इस बैठक में महेश सिन्हा और महिला ने छल करने माता लक्ष्मी का पदचिह्न बनाना स्वीकार किया। जिसको लेकर अंगेश्वर साहू ने धर्म के नाम पर छल करते हुए अंधविश्वास फैलाकर धोखाधड़ी करने का विरोध किया और गांव की बैठक में उसके कहने पर फैसला सुनाते हुए महेश सिन्हा पर 50 हजार रुपए का जुर्माना लगा दिया गया। इधर जुर्माना लगाने से आक्रोशित महेश सिन्हा ने अंगेश्वर से बदला लेने की फिराक में अवसर तलाशता रहा। 9 नवंबर की सुबह अंगेश्वर अपने खेत की ओर साइकिल से गया हुआ था, शाम तक जब वह घर नहीं लौटा तो परिजनों ने उसकी तलाश शुरू कर दी। खोजबीन के दौरान अंगेश्वर की साइकिल खेत के पास मिली, लेकिन अंगेश्वर लापता था। अगले दिन 10 नवम्बर की सुबह ग्रामीणों ने महेश सिन्हा को खून से सने कुछ कपड़ों को कुएं में पैरा के साथ डालते देखा। संदेह होने पर पानी से भरे गड्ढे नुमा कुएं में अंगेश्वर की तलाश की गई तो उसका शव वहां से बरामद हो गया।

ग्रामीणों ने लगाया 50 हजार का जुर्माना



अंगेश्वर की वजह से मिला था दंड

आरोपी महेश सिन्हा ने पुलिस को बताया कि उसने गांव में नवरात्रि के समय लक्ष्मी माता के चरण का चिह्न बनाकर गांव वालों को भ्रम में डाला था। इस बात को लेकर गांव में बैठक हुई थी, जिसमें अंगेश्वर साहू की वजह से उसे गांव में दंड मिला था। जिसका बदला लेने उसने 9 नवम्बर को अंगेश्वर की धारदार हथियार से हत्या कर दी और उसका शव कुएं में फेंक दिया। इस पूरे मामले में पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 103 (1) के तहत हत्या प्रकरण दर्ज करते हुए आरोपी को गिरफ्तार किया और उसे न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया।



पुलिस ने शुरू की तपतीश

10 नवंबर वर्ष 2025 को ग्रामीणों और मुक्त के परिजनों से पुलिस को सूचना मिली कि ग्राम मारगांव के राधे सतनामी के कुएं में लापता अंगेश्वर का शव मिला है, जिसके सिर में चोट लगना प्रतीत हो रहा है। सूचना पर थाना डोंगरगांव की टीम घटनास्थल के लिए रवाना हुई। शव को पानी से बाहर निकल गया, जिसके सिर पर धारदार हथियार से चोट के निशान थे। प्रथम दृष्टिया ही यह मामला हत्या का प्रतीत हो रहा था। पुलिस ने इसी दिशा में अपनी जांच की कड़ी आगे बढ़ाई। नवरात्रि में अंधविश्वास के हुए मामले और बैठक के विवाद की जोड़ते हुए पुलिस ने संदेह के आधार पर 48 वर्षीय आरोपी महेश सिन्हा को हिरास्त में लेकर पूछताछ शुरू की, जिसमें उसने अंगेश्वर की हत्या कर उसका शव कुएं में फेंकना स्वीकार किया।

घटना दिनांक को दोनों बच्चे स्कूल गए थे, शाम पांच बजे के आसपास जब वे घर लौटे तो देखा कि मोहिनी खून से लथपथ घर के कमरे में पड़ी थी। घनी आबादी के बीच घर में रहने वाली महिला की हत्या की वारदात को किसने अंजाम दिया होगा, यह विचार गांव वालों को परेशान कर रहा था। वहीं, पुलिस भी घटना की बारीकी से हर एंगल से जांच में जुट गई।



खैरागढ़ से चैतेंद्र तिवारी

पहले गला घोंटा, फिर हंसिये से काट दिया

टोनही कहना विधवा मोहिनी को पड़ा भारी

ब्लॉक के ग्राम पंचायत डोकराभाटा आश्रित छोटा सा गांव खैरबना, जहां ज्यादातर लोगों का जीवन खेती किसानी और मजदूरी के भरोसे चलता है। उसी गांव में 26 जून 2025 की दोपहर घनी आबादी के बीच बसे घर में 25 साल की विधवा और दो छोटे छोटे मासूम बच्चों की मां मोहिनी साहू की अज्ञात लोगों द्वारा नृशंस हत्या कर दी जाती है। मजदूरी करके जीवन यापन करने वाली विधवा महिला के पास इतना पैसा और जेवरात भी नहीं था कि डकैती या चोरी की नीयत निर्ममता से हत्या का कारण बनती। पुलिस टीम गांव पहुंची, गुस्साए लोगों को शांत किया और मोहिनी के बारे में पतासाजी शुरू करने लगी। फिर पता चला कि पति कीर्तन साहू की दो साल पहले मौत होने के बाद से मोहिनी खैरबना में ही रह रही थी। अपने दोनों बच्चों के साथ मायके पधावतीपुर से गमी की छुट्टी बिताकर इसी सप्ताह खैरबना आई थीं। घटना दिनांक को दोनों बच्चे स्कूल गए थे, शाम पांच बजे के आसपास घर लौटे तो देखा कि मोहिनी खून से लथपथ घर के कमरे में पड़ी थी। घनी आबादी के बीच घर में रहने वाली महिला की हत्या की वारदात को कब, किसने आकर अंजाम दिया होगा, यह विचार गांव वालों को परेशान कर रहा था। वहीं, पुलिस भी घटना की बारीकी से हर एंगल से जांच कर रही है, लेकिन गांव वालेों के मन में अजीब सी दहशत दिख रही है।

गुमराह करने की हुई भरपूर कोशिश

पुलिस ने मामले में अपराध क्रमांक 313/2025, धारा 332, 103-1 बीएनएस दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी। गांव में लगातार चार दिन तक कैप लगाया और आरोपियों की पातासजी में जुट गई। दोबारा क्राइम सीन क्रियेट करने पर मुक्ता मोहिनी की पड़ोसी सविता साहू और उसके परिवार पर संदेह पाया गया। संदेह के आधार पर सविता, उसकी बेटी जसिका और भतीजा दीपेश साहू से कड़ाई से पूछताछ की गई। पहले वो गुमराह करते रहे, लेकिन अलग अलग बिंदुओं पर लगातार कड़ाई से पूछताछ करने पर आरोपियों ने जुर्म करना स्वीकार कर बताया कि मुक्ता मोहिनी आरोपिया सविता साहू को टोहड़ी कहते हुए जादू टोना करते हो कहकर बदनाम करती थीं। जिससे सविता क्रुध्य थी और अपमानित महसूस कर रही थी। इसी बात का बदला लेने के लिए उसने मोहिनी को जान से मारने का प्लान बनाया और बेटी जसिका व भतीजा दीपेश के साथ 26 जून 2025 को दोपहर करीब 2 बजे जब मोहिनी घर में अकेली थी, तो तीनों छत के रास्ते से आकर गाय बांधने वाली रस्सी से गला घोंटा और उसके बाद धारदार हथिया से लगातार कई बार गले व चेहरे पर वर किया। जिससे मोहिनी की मौत हो गई। इसके बाद वे अपराध छिपाने के वापस घर आ गए और सभी खेत में रहने का बहाना कर रहे थे। बारीकी से पूछताछ करने पर तीनों ने एकराथ होकर अपराध करना स्वीकार किया। हथियार बरामद कर सविता पति मानसिंग साहू (39), जसिका पिता मानसिंग साहू (19) और दीपेश पिता शेरसिंग साहू (24) साल तीनों को रिमांड में लेकर पुलिस ने जेल भेज दिया, घटना के एक साल बाद भी जेल की काल कोठरी में किफ की सजा मुगत रहे हैं। जबकि मोहिनी के दोनों छोटे बच्चे नाना नानी के घर पद्मावतीपुर में रहकर पढ़ाई पूरी कर रहे हैं।

रेंटिंग एजेंसी क्रिसिल ने जारी रिपोर्ट में कहा युद्धविराम कायम रहने से भारतीय कंपनियों पर पश्चिम एशिया संघर्ष का असर होगा आधा

एजेंसी ►►नई दिल्ली

अमेरिका-ईरान के बीच युद्धविराम कायम रहने और ऊर्जा आपूर्ति सामान्य बनी रहने से पश्चिम एशिया संघर्ष का भारतीय कंपनियों के लाभ पर पड़ने वाला असर

शु रू आ ती आशंका की तुलना में लगभग आधा रह जाएगा। रेंटिंग एजेंसी क्रिसिल रेंटिंगसे ने यह जानकारी दी। रेंटिंग एजेंसी ने कहा कि उसे उम्मीद है कि यह संघर्ष वित्त वर्ष 2026-27 में भारतीय कंपनियों के परिचालन मुनाफे में लगभग एक प्रतिशत की कमी लाएगा। पहले लंबे समय तक संघर्ष जारी रहने और होमुंज जलडमरूमध्य से आवाजाही बाधित होने की स्थिति में दो प्रतिशत की गिरावट का अनुमान लगाया गया था।

भारत में 90 अरब डॉलर से अधिक निवेश की घोषणा

नई दिल्ली। भू-राजनीतिक तनाव, व्यापारिक व्यवधानों और वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के बावजूद वैश्विक कंपनियों तथा संस्थागत निवेशकों ने हाल के महीनों में भारत में 90 अरब डॉलर से अधिक के नए निवेश की घोषणा की है।

यह भारत की दीर्घकालिक आर्थिक वृद्धि की संभावनाओं और निवेश गंतव्य के रूप में उसकी बढ़ती वैश्विक साख को दर्शाता है। सूत्रों ने बताया कि प्रस्तावित निवेश कृत्रिम वेता (एआई), क्लाउड कंप्यूटिंग, डिजिटल अवसंरचना, विनिर्माण और औद्योगिक

मुहर्म्मद के कारण भारतीय शेयर बाजार रहा बंद



मुंबई। भारतीय शेयर, मुद्रा और जिस बाजार मुह्र्रम के कारण व्यापारिक कार्यविधियां देखने नहीं मिली। शनिवार और रविवार को शेयर बाजार बंद रहेगा। रोज की तरह शेयर बाजार में सोमवार को कामकाज होगा।

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी घरघोड़ा जिला रायगढ़ (छ.ग.)
रा.प्र.क्र. 202603042600008/17/अ-6/25-26
ग्राम-करदरापाली प.ह.नं. 09
तहसील-घरघोड़ा
---आम सुचना---
इस न्यायालय के रा0 अपील प्रकरण क्रमांक 202603042600008/17/अ-6/25-26 में अपीलवाली उतरा कुमारी उर्फ पूष्पा पिता स्व. मुनूक पति बाबुलाल बेहरा जाति सोढ़ी निवासी ग्राम झरियापाली तहसील घरघोड़ा जिला रायगढ़ (छग0) द्वारा अपील अर्तिगत धारा 44 (1) छग0 भू.रा.सं. 1959 तहसील घरघोड़ा के ग्राम करदरापाली के नामांतरण पंजी वर्ष 1998-1999 के नामांतरण क्रमांक 02 में पारित आदेश 09.02.1999 के विरुद्ध अपील शा किया गया है जिसकी आगामी सुनवाई दिनांक 14.07.2026 को प्रातः 11:00 बजे इस न्यायालय में निपट है।

उक्त प्रकरण में सुनवाई हेतु उत्तरवादी क्रमांक 03 संघीय पिता राजकुमार जाति सोढ़ी निवासी ग्राम करदरापाली तहसील घरघोड़ा जिला रायगढ़, क्रं. 04 पूजा पिता राजकुमार पति बलराम जाति सोढ़ी निवासी ग्राम लोहरी, बनौरा तहसील / जिला रायगढ़ (छ.ग.), के 05 प्रभा पिता मुनूक पति चुड़ामणी जाति सोढ़ी निवासी ग्राम रामपेट (एट पटवारी) के पास नागपुर जिला नागपुर (महाराष्ट्र) को जारी नोटिस अलग तामिल प्राप्त हुआ है। उत्तरवादी क्रमांक 03, 04 एवं 05 की उपस्थिति हेतु राज्य स्तरीय समाचार पत्र प्रकाशन के माध्यम से आम सूचना जारी किया जाता है कि यदि उक्त दवा में आप हित रखते हैं तो आगामी सुनवाई तिथि को स्वयं या अपने विधिक अधिवक्ता के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर अपना पक्ष रख सकते हैं अन्यथा आपके विरुद्ध एकापक्षीय कार्यवाही करते हुए प्रकरण में अग्रिम कार्यवाही की जावेगी जिस हेतु आप स्वयं जिम्मेदार होंगे।

आज दिनांक 23.06.2026 को हस्ताक्षरित एवं न्यायालय की मुद्रा अंकित कर जारी किया गया।

अनुविभागीय अधिकारी (रा.) घरघोड़ा जिला रायगढ़ (छग0)

होर्मुंज दोबारा खुलने से कच्चे तेल की कीमतों में तेज गिरावट आई



गैस की उपलब्धता में धीरे-धीरे सुधार

एजेंसी ने कहा कि कच्चे तेल की कम कीमतें और गैस की उपलब्धता में धीरे-धीरे सुधार से अधिकतर उद्योगों को राहत मिलेगी। वहीं, सरकार का बुनियादी ढांचा खर्च और घरेलू मांग में स्थिरता राजस्व वृद्धि को समर्थन देते रहेंगे। तेल वित्तिय कंफर्मा और उर्दरक विनिर्माता ऊर्जा कीमतों में नरमी के सबसे बड़े लाभार्थियों में शामिल हो सकते हैं।

45,000 करोड़ की शुद्ध कम वसूली

क्रिसिल का अनुमान है कि मार्च और मई के बीच सरकारी इंधन खुदरा विक्रेताओं को 40,000-45,000 करोड़ रुपये की शुद्ध कम वसूली का सामना करना पड़ा। हालांकि, कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट के साथ चालू वित्त वर्ष में उनके फिर से परिचालन लाभ में लौटने की उम्मीद है। बेहतर परिदृश्य के बावजूद, क्रिसिल ने दो प्रमुख जोखिमों की ओर इशारा किया है।

वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच नए निवेश की घोषणा

प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में किया जाएगा। इससे वैश्विक कंपनियों के लिए आपूर्ति श्रृंखलाओं में विविधता लाने तथा उच्च वृद्धि वाले बाजारों में विस्तार के बीच अहम निवेश गंतव्य के रूप में भारत की स्थिति और मजबूत होगी। अमेजन ने बहुरूपतिवार को कहा कि मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) एंडी जेसी और

भू-राजनीतिक जोखिम अब भी बने हुए

संशोधित अनुमान ऐसे समय आया है, जब अमेरिका-ईरान के बीच हुए नाजुक समझौते के बाद होर्मुंज जलडमरूमध्य दोबारा खुलने से कच्चे तेल की कीमतों में तेज गिरावट आई है। हालांकि, क्रिसिल ने आगाह किया कि भू-राजनीतिक जोखिम अब भी बने हुए हैं और गैस आपूर्ति को पूरी तरह सामान्य होने में अधिक समय लग सकता है।

भारत की आर्थिक वृद्धि दर 6.8 फीसदी रहने का अनुमान: ईवाई

नई दिल्ली। वैश्विक ऊर्जा बाजारों में धीरे-धीरे सामान्य स्थिति बहाल होने और घरेलू अर्थव्यवस्था की मजबूत बुनियाद के साथ चालू वित्त वर्ष 2026-27 में भारत की आर्थिक वृद्धि दर 6.6 से 6.8 %रहने का अनुमान है। वित्तीय सेवा कंपनी ईवाई की रिपोर्ट में यह अनुमान जताया गया है। 'ईवाई इकॉनमी वॉच' शीर्षक से जारी रिपोर्ट में कहा गया कि हाल के घटनाक्रमों को देखते हुए यदि वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतें अपेक्षाकृत निचले स्तर पर स्थिर रहती हैं और

होर्मुंज जलडमरूमध्य से जहाजों की आवाजाही सामान्य हो जाती है, तो भारत की आर्थिक वृद्धि की सकारात्मक गति फिर से मजबूत हो सकती है।चालू वित्त वर्ष में वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर 6.6 से 6.8 %, उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति 4.5 प्रतिशत, बाजार मूल्य पर जीडीपी वृद्धि 12.5 %, केंद्र सरकार का राजकोषीय घाटा जीडीपी का 4.4 प्रतिशत तथा चालू खरते का घाटा जीडीपी का 1.5 प्रतिशत रहने का अनुमान है।

कार्यालय, नगर पालिक निगम, कोरबा (छ.ग.)

ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना

क्र. 1507/ज.प्र./ 2026

दिनांक 23.06.2026

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत टेकेदारों से निम्नलिखित कार्य हेतु शेड्यूल अनुसार लमसम दरों पर E-tendering के माध्यम से निविदा आमंत्रित की जाती है :-

क्र.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (रु.लाख में)	निविदा डालने की अंतिम तिथि (T.No. 193926)
1	Design, construction, erection, testing and commissioning of 20 MLD Tertiary Treatment Plant for NTPC Korba including operation and maintenance of entire scheme for 15 Years (2nd Call)	16438.95	09.07.2026

उपरोक्त कार्यों की निविदा की जानकारी ई-प्रोक्थोरमेंट वेब पोर्टल <http://eproc.cgstate.gov.in> से डाउनलोड की जा सकती है, साथ ही निगम के वेब साईट www.korbamunicipal.in एवं www.korba.urbanecg.gov.in पर भी देखी जा सकती है।

॥ स्वच्छ भारत निर्माण में योगदान दें ॥

आयुवत नगर पालिक निगम कोरबा (छतीसगढ़)

कार्यालय, नगर पालिका परिषद खरसिया जिला-रायगढ़ (छत्तीसगढ़)

क्रमांक /424 /न.पा.प./ 2026-27

॥ ई-प्रोक्थोरमेंट निविदा आमंत्रण सूचना ॥

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत टेकदेवराों से निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाईन (Online) निविदा आमंत्रित की जाती है :-

1. Bid Start Date

2. Last Date of Online Submission for Technical & Financial Bid

3. Last Date for Submission of physical bid

4. Bid Open Date

:- 25-06-2026 Time 5.30 PM

:- 16-07-2026 Time 5.30 PM

:- 20-07-2026 Time 5.30 PM

:- 21-07-2026 Time 11.00 AM

क्र.	सि.नि.क्र	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (रु.लाख में)	अमान्य राशि एक ड़ी.आर.की रू में
1	194205	वाई क्र. 15 स्थीन स्कूल पानी टंकी में समयेन निर्माण कार्य।	15.25	12000.00
2	194137	वाई.क्र. 08 मेन रोड नाल से डेवर साँघ पर तुरीमाडा तक आर.सी.सी. नाली निर्माण कार्य।	11.42	9000.00
3	194158	वाई.क्र. 08 परमेखर रावेर पर से कंकर दरम महल पर (तुरीमाडा) तक आर.सी.सी. नाली निर्माण कार्य।	12.16	10000.00
4	194168	वाई.क्र.08मेन रोड से सीमा अग्रवाल तक सी.सी. रोड निर्माण कार्य।	11.22	9000.00
5	194195	वाई.क्र. 16 मेन रोड (भरवा रोड) न्यूवेल टेलर से बेववा तांबवा तक सी.सी. रोड निर्माण कार्य।	9.38	7200.00

उपरोक्त कार्य की निविदा की सामान्य शर्त, घरधरे राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्थोरमेंट वेब पोर्टल <https://eproc.cgstate.gov.in> से डाउनलोड की जा सकती है एवं कार्यालयीन अवधि में कार्यालय अथवा जनकारी प्राप की जा सकती है। रोड निर्माण तथा सम्यवेत कार में 18 प्रक्रित आ.एस.टी. जे.केकर निविदा जारी किया गया है।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी नगरपालिका परिषद खरसिया

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायगढ़ (छ.ग.)

क्रमांक 1446/न.पा.नि./2026

रायगढ़ दिनांक 25/06/26

ई-प्रोक्थोरमेंट निविदा आमंत्रण सूचना

नगर पालिक निगम, रायगढ़ द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाईन (Online) निविदा आमंत्रित की जाती है :-

क्र	सि.नि.क्र	कार्य का विवरण	अनु. लागत राशि रु. (लाख में)	निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथि
01	194232	वाई.क्र. 42 अमलीभौना में आई एस बी टी. कार्य के कारण ट्रांसपोर्ट नगर में वितरण लाईन बिछाने का कार्य।	33.10	17.07.2026
02	194248	CONSTRUCTION OF SAMUDAYIK BHAVAN AND DEVELOPMENT WORK AT AMLIBHAUNA W.N. 42	20.00	17.07.2026

उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्त, घरधरे राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्थोरमेंट वेब पोर्टल <https://eproc.cgstate.gov.in> से डाउनलोड की जा सकती है।

कार्यपालन अभियंता
न.पा.नि., रायगढ़

लाभ बढ़ाने के लिए खुदरा, कृषि ऋण और जमा पर ध्यान देगा पीएनबी

नई दिल्ली। पंजाब नेशनल बैंक खुदरा, कृषि और सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यम (एमएसएमई) ऋण के साथ-साथ चालू खाता एवं बचत खाता (कासा) जमा बढ़ाने पर अपना ध्यान देता रहेगा। बैंक का मानना है कि इन रणनीतिक क्षेत्रों पर ध्यान देने से कोरोबाार वृद्धि और लाभप्रदता को और मजबूती मिलेगी। पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अशोक चंद्र ने हाल में जारी बैंक की वार्षिक रिपोर्ट में शेरधारकों के नाम संदेश में कहा कि मजबूत बढी-खाता और पर्याप्त पूंजी के दम पर बैंकिंग क्षेत्र ऋण विस्तार को गति देने तथा बाजार की बदलती वित्तीय जरूरतों को सहजता से

पूरा करने की स्थिति में है। सीईओ ने कहा, ‘‘ बैंक खुदरा, कृषि और एमएसएमई (आरएएम) ऋण, कासा जमा, डिजिटलीकरण, ग्राहक सेवा और मानव संसाधन जैसे रणनीतिक क्षेत्रों पर भी लगातार ध्यान केंद्रित करेगा।’’ बैंक का खुदरा, कृषि और एमएसएमई ऋण 31 मार्च, 2026 तक 12 प्रतिशत बढ़कर 6.76 लाख करोड़ रुपये हो गया, जो पिछले वित्त वर्ष में 6.03 लाख करोड़ रुपये था। मार्च, 2026 के अंत तक बैंक के घरेलू ऋण में आरएएम खंड की हिस्सेदारी 56.6 प्रतिशत रही। कम लागत वाली जमा के मोर्चे पर 31 मार्च, 2026 तक पीएनबी की घरेलू कासा हिस्सेदारी 37 प्रतिशत रही।

आम सूचना			
ICICI Bank पंजीकृत कार्यालय : आईसीआई बैंक टॉवर, चकती सर्कल के पास, ओल्ड पादरा रोड, हवेलीरा - 390007 कोर्पोरेट कार्यालय : आईसीआई बैंक टॉवर, बांध - कुर्ला कोम्पलेक्स मुंबई - 400051			
स्वयं नीलामी और आमंत्रण सूचना		नीलामी शाखा का पता	
शाखा का नाम - वस्तर, छत्तीसगढ़		आईसीआईआई बैंक लिमिटेड, एस्कीएम रोड, राजेंद्र नगर वाई, नगर पंचायत, पोस्ट बस्तर, वस्तर, छत्तीसगढ़ - 494223	
360157000061		रवीश्र कुमार भोयर	
360157000240		केलाशा दास	
शाखा का नाम - थिला नगर- सरकंडा		आईसीआईआई बैंक लिमिटेड, मेन रोड, न्यू सरकंडा, मॉडर्न एजुकेशनल एकेडमी स्थल के पीछे, बिलासपुर - 495001, छत्तीसगढ़	
734957000070		आलेक कुमार स्वयंन	
शाखा का नाम - विरमिरी		आईसीआईआई बैंक लिमिटेड, पंखा दरगाह, हन्दीबाड़ी, विरमिरी, कोरिया जिला, छत्तीसगढ़ - 497451	
शाखा का नाम - दोतेबाड़ा		आईसीआईआई बैंक लिमिटेड, खनरा नंबर 315/3, एस.पी. बंगला के सामने, चिवालका देहाड़ा, तहसील एवं जिल्ला देहाड़ा, छत्तीसगढ़ - 494449	
829857000019		वर्दा वेंकट राघु अरिपिंड सौनी	
शाखा का नाम - जगदलपुर		आईसीआईआई बैंक लिमिटेड, लक्ष्मण एकेड्यू, मंडी के पास, बालाजी वाई, रामचंद्रपुर बस्तर जिला, छत्तीसगढ़ - 494001	
108557000141		रामेश्वरी द्विव	
शाखा का नाम - खरसिया		आईसीआईआई बैंक लिमिटेड, गांधी चौक, रायगढ़ रोड, खरसिया रायगढ़ जिला, छत्तीसगढ़ - 496661	
शाखा का नाम - कुरुद, छत्तीसगढ़		आईसीआईआई बैंक लिमिटेड, नगर पंचायत परिषद के बगल में, समुदायिक भवन, जिला - धमतरी, कुपन, छत्तीसगढ़ 493563	
371657000120		राजेंद्र प्रसाद गुप्ता	
शाखा का नाम - नारायणपुर		आईसीआईआई बैंक लिमिटेड, खसरा नंबर 405/3, मेन रोड, भक्रुपयारा, नारायणपुर - 494651, छत्तीसगढ़	
783505000354		राजनीश मिश्रा	
783557000085		रवीन्द्र कुमार रायद	
शाखा का नाम - रायगढ़		आईसीआईआई बैंक लिमिटेड, मोदी प्लाज्ज रजनीश्वरी, जगदलपुर रोड, रायगढ़ छत्तीसगढ़ - 496001	
092657000218		अनित कुमार सिंह	
शाखा का नाम - रायपुर - सुंदर नगर		आईसीआईआई बैंक लिमिटेड, अफिनो नगर, सुंदर नगर, मेन रोड, रायपुर, छत्तीसगढ़ - 492013	
4095050001357		पुष्पक देवान	
शाखा का नाम - रायपुर-समल कॉलोनी		आईसीआईआई बैंक लिमिटेड, समल अर्केड के पास, समला कॉलोनी, रायपुर 492001, छत्तीसगढ़	
1348050002673		दिशा पटनाजी	
शाखा का नाम - राजनंदगांव		आईसीआईआई बैंक लिमिटेड, खंडेलवाल कॉम्प्लेक्स, प्लॉट नंबर 156/1234, नईई चौक, राजनंदगांव, छत्तीसगढ़ - 494141	
0624050030111		रौनक सिंह भाटिया	
शाखा का नाम - खरिया रोड, ओडिशा		आईसीआईआई बैंक लिमिटेड, वाई नंबर 18, खरिया रोड, नुसगाछा, ओडिशा - 766104	
368462003764		चरंत सिंह ठाकुर	

नीलामी अंश पूरी यां दस्ता में बहाल गए पते/पते और तालिका/तारीकी पर होनी। समय: दोपहर 3.00 बजे से शाम 6.00 बजे तक। कृपया ध्यान दें कि आईसीआईआई बैंक के पास निम्न किसी पूर्व सूचना के नीलामी की तारीख/तारीकी को बदलने का अधिकार सुरक्षित है। इसक पक्ष नीलामी की विस्तृत शर्त और नियमों के तहत आमर बताई गई शाखा/शाखाओं पर जा सकते हैं।

दिनांक: 27.06.2026

स्थान: बस्तर, रायगढ़, रायपुर, महेंद्रगढ़-विरमिरी-भरतपुर, बिलासपुर, धमतरी, बिला बस्तर देहाड़ा, राजनंदगांव, नारायणपुर, भैरामपुर

भारीय,

रही/- अधिकृत हस्ताक्षरकर्ता, कुनो/- आईसीआई बैंक लिमिटेड

		कार्यालय नगर पालिक निगम, बिलासपुर (छ.ग.)				
जोन क्र. 03 टाउन हॉल बिलासपुर				बिलासपुर दिनांक 25/04/2026		
हक हस्तांतरण एवं कर निर्धारण के खातों में नाम परिवर्तन संबंधी सूचना						
कर संपत्तिक विभाग, जोन क्र 03 न.पा.नि. बिलासपुर द्वारा विभाग नई-जून 2026-27 हक हस्तांतरण एवं कर निपटणक के खातों में नाम परिवर्तन के संबंध में इस कार्यालय में आवेदन प्राप्त हुए हैं। यदि किसी व्यक्ति को किसी प्रकार की आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो इस सूचना प्रकाशन तिथि से 15 दिवस के भीतर जोन क्र 03 टाउन हॉल में आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित अवधि के परचाता आपत्ति पर विचार नहीं किया जाएगा।						
क्र.	वा. क्र.	पता	रसीद क्र. एवं दिनांक	जिसके नाम पर दर्ज है	जिसके नाम पर दर्ज करना है।	आधार
1	19	कस्तूरबा नगर	16251/45 27/05/2026	श्रीमती शहनाज बाई पति लल्लू उर्फ अरुण कुमार मसीह	श्री देवीशंकर चन्द्राकर पति स्व. रामजी चन्द्राकर	बिक्री पत्र, बी 1, पी2, डायवर्सन पत्र, शपथ पत्र मूल प्रति, संपत्तिकर रसीद।
2	19	पारितोषा हार्डट्स 402	16251/46 29/05/2026	श्रीमती गुरपीत कौर होरा पति भूपेन्द्र सिंह होरा।	श्री अनिल कुमार कृपालानी पति मुरलीधर कृपालानी	बिक्री पत्र, डायवर्सन पत्र, शपथ पत्र मूल प्रति एवं सम्पत्तिकर की रसीद।
3	21	सिंग रोड-2 पन्ना नगर	16251/47 29/05/2026	श्री संतोष कुमार रावैर पति जगू रावैर	श्री मनोज कुमार पति जगू रावैर	दान पत्र, बी1, पी2, डायवर्सन पत्र, शपथ पत्र मूल प्रति, संपत्तिकर रसीद।
4	21	सिंग रोड-2 पन्ना नगर	16251/48 29/05/2026	श्री संतोष कुमार रावैर पति जगू रावैर	श्री मनोज कुमार पति जगू रावैर	दान पत्र, बी 1, पी2, डायवर्सन पत्र, शपथ पत्र मूल प्रति, संपत्तिकर रसीद।
5	19	कस्तूरबा नगर	16251/49 29/05/2026	श्री जी.डी. सोंधिया पति गुलाबराज सोंधिया	1. निशा सोंधिया पति स्व. गुरुदयाल सोंधिया पति- मोहन सोंधिया । 2. मनीषा बानन पति गुरुदयाल सोंधिया पति सुरेश बानन	बिक्री पत्र, मूल्य प्रमाण पत्र, राजस्व आदेश पत्र, बी 1, पी2, डायवर्सन पत्र मूल प्रति, सम्पत्तिकर रसीद।
6	15	27 खोली इन्ड्रेसेन नगर	16251/50 02/06/2026	जार्ज शांति भूषण मण्डल पति स्व. पृथ्वी भूषण मण्डल	श्री विकास मण्डल पति स्व. जार्ज शांति भूषण मण्डल	वसीयतनामा, मूल्य प्रमाण पत्र, राजस्व आदेश पत्र, बी 1, पी2, डायवर्सन पत्र, शपथ पत्र मूल प्रति, संपत्तिकर रसीद।
7	19	कस्तूरबा नगर	16251/51 02/06/2026	श्री गुरुदयाल सोंधिया पति गुनवत सोंधिया	1. निशा सोंधिया पति स्व. गुरुदयाल सोंधिया 2. सोनिया सोंधिया पति स्व. गुरुदयाल सोंधिया	बिक्री पत्र, मूल्य प्रमाण पत्र, बी1, सोंधिया पत्र मूल प्रति, सम्पत्तिकर रसीद।
8	22	अम्बेडकर नगर	16251/52 03/06/2026	श्रीमती हंडु शर्मा पति बुधराम शर्मा	श्रीमती छाया श्रीवास पति राधेश्याम श्रीवास	बिक्री पत्र, नजूल आदेश पत्र, नजूल सचिव रिपोर्ट, शपथ पत्र मूल प्रति एवं सम्पत्तिकर की रसीद।
9	22	राजेन्द्र नगर	16251/53 03/06/2026	बुधराम शर्मा पति पिता लालू शर्मा	श्री हर्षल आचार्य पति यश्वन्त आचार्य	बिक्री पत्र, नजूल आदेश पत्र, नजूल सचिव रिपोर्ट, शपथ पत्र मूल प्रति, सम्पत्तिकर रसीद।
10	22	राजेन्द्र नगर	16251/54 05/06/2026	श्री बसोरी अहमद खान पति अहमद लतीफ खान	श्री शम्बीर खान पति स्व. बसोरी अहमद खान	मूल्य प्रमाण पत्र, नजूल आदेश पत्र, नजूल सचिव रिपोर्ट, शपथ पत्र मूल प्रति, सम्पत्तिकर रसीद।
11	22	राजेन्द्र नगर	16251/55 05/06/2026	श्री ओम प्रकाश शर्मा पति स्व. इन्दुबेन शर्मा	श्री उत्तम मनिक्गुप्ता पति मिहन मनिक्गुप्ता	विक्रय विलेख, नजूल आदेश पत्र, नजूल सचिव रिपोर्ट, शपथ पत्र मूल प्रति, सम्पत्तिकर रसीद।
12	21	चंदेला नगर	16251/56 05/06/2026	श्री प्रभुनाथ सिंह पति स्वाध्याय सिंह	श्री अतुल बहादुर सिंह पति प्रभूनाथ सिंह	दान पत्र, राजस्व आदेश, बी1, पी2, डायवर्सन पत्र, शपथ पत्र मूल प्रति, सम्पत्तिकर रसीद।
13	16	कुदुदण्ड	16251/57 08/06/2026	श्री सुनील कुमार जैन पति स्व. खेमचंद जैन	श्री कमल जैन पति स्व. खेमचंद जैन	दान पत्र, बी 1, पी2, शपथ पत्र मूल प्रति एवं सम्पत्तिकर की रसीद।
14	22	मामाया विलास विशाल हार्डट्स एड5	16251/58 09/06/2026	श्रीमती वर्षा ठाकुर पति चतुर्द सिंह ठाकुर	श्रीमती काजल दयालानी पति आनंदराम दयालानी	विक्रय विलेख, डायवर्सन पत्र, शपथ पत्र मूल प्रति, सम्पत्तिकर की रसीद।
15	15	उस्मानपुर रोड मंगला चौक	16251/59 11/06/2026	1. सपना कलवानी पति रोमेश कलवानी 2. रोमेश कलवानी पति दयाराम कलवानी	श्री विद्यार्थी शुक्ला पति लक्ष्मी कोट शुक्ला	विक्रय विलेख, बी 1, पी2, डायवर्सन पत्र, शपथ पत्र मूल प्रति, सम्पत्तिकर रसीद।
16	22	फ़्लैट नं. 301 रुक्मिणी इन्क्वेलिब वेयर हाउस रोड	16251/60 12/06/2026	1. संजय सिंह पति डा.के. सिंह 2. सोनाली सिंह पति संजय सिंह	श्री अनुज चौधरी पति धर्म नारायण चौधरी	विक्रय विलेख, डायवर्सन पत्र, शपथ पत्र मूल प्रति, सम्पत्तिकर रसीद।
17	22	शिवम हार्डट्स सुंदरम सी/204	16251/61 15/06/2026	श्री राजेश श्यामनानी पति समन्वयकदास श्यामनानी 2. समन्वयकदास श्यामनानी पति राजेश श्यामनानी	श्रीमती रश्मि हिन्दुजा पति मोहन कुमार हिन्दुजा	बिक्री पत्र, शपथ पत्र मूल प्रति, सम्पत्तिकर रसीद।
18	21	गुरुदासीदास नगर	16251/62 17/06/2026	श्री शराब हूसेन पति खालिक हूसेन	श्रीमती रीता छाबड़ा पति हेमंत छाबड़ा	विक्रय विलेख, बी1, पी2, डायवर्सन पत्र, शपथ पत्र मूल प्रति, संपत्तिकर रसीद।
19	21	गुरुदासीदास नगर	16251/63 17/06/2026	श्री शराब हूसेन पति खालिक हूसेन	श्री हेमंत छाबड़ा पति स्व. मेलाराम छाबड़ा	विक्रय विलेख, बी 1, डायवर्सन पत्र, शपथ पत्र, संपत्तिकर रसीद।
20	18	चाटपारा	16251/64 19/06/2026	श्री चन्द्रकान्त काले पति भालचन्द्र काले	1. विनय काले पति स्व. चन्द्र काले 2. नेहा काले पति स्व. चन्द्रकान्त काले	मूल्य प्रमाण पत्र, नजूल आदेश पत्र, नजूल सचिव रिपोर्ट, शपथ पत्र मूल प्रति, सम्पत्तिकर रसीद।
21	17	शांति नगर नेहरू नगर	16251/65 19/06/2026	श्री सुरेश कुमार दुबे पति रामकुशल दुबे	1. अजय कलेशा पति प्रकाश कलेशा 2. मनीषा कलेशा पति अजय कलेशा 3. विजय कलेशा पति प्रकाश चंद कलेशा 4. प्रती कलेशा पति विजय कलेशा	विक्रय विलेख, बी1, पी2, शपथ पत्र मूल प्रति सम्पत्तिकर रसीद।
22	15	27 खोली विकास नगर	16251/66 22/06/2026	श्री शिव गणेश बाजोये पति अमनाथ बाजोये	श्रीमती डॉ. रश्मि बाजोये पति चन्द्रशेखर बाजोये	विक्रय विलेख, बी1, पी2, शपथ पत्र मूल प्रति, संपत्तिकर रसीद।
23	15	27 खोली विकास नगर	16251/67 29/06/2026	श्री मंगा प्रसाद बाजोये पति राम भोस बाजोये	1. श्री चन्द्र प्रकाश बाजोये पति मंगा प्रसाद बाजोये 2. श्री चन्द्र प्रदीप बाजोये पति मंगा प्रसाद बाजोये	विक्रय विलेख, आमसूचना पत्र, बी 1, पी2, डायवर्सन पत्र, शपथ पत्र मूल प्रति, सम्पत्तिकर की रसीद।
24	17	नेहरू नगर शांति नगर	16251/68 22/06/2026	श्री सोमकान्त वर्मा पति दिव्याराम वर्मा	श्री सचिन पाण्डेय पति सुधीर पाण्डेय	बिक्री पत्र, बी1, पी2, शपथपत्र मूल प्रति, संपत्तिकर की रसीद।
25	22	बृहस्पति बाजार के पास	16251/69 24/06/2026	श्री सुरेश अग्रवाल पति फतेचंद अग्रवाल	श्री विनय अग्रवाल, चषक अग्रवाल, वीरिका अग्रवाल पति - स्व. राधेश अग्रवाल पुत्रम अग्रवाल पति स्व. राजेश अग्रवाल	बिक्री पत्र, नजूल आदेश पत्र, शपथ पत्र मूलप्रति, सम्पत्तिकर रसीद।
26	22	बृहस्पति बाजार के पास	16251/70 24/06/2026	श्री अशोक अग्रवाल पति स्व. फतेचंद अग्रवाल	श्री मनोज कुमार अग्रवाल पति स्व. फतेचंद अग्रवाल	विक्रय विलेख, मूल्य प्रमाण पत्र, नजूल सचिव रिपोर्ट, शपथ पत्र मूल प्रति एवं सम्पत्तिकर की रसीद।
27	22	बृहस्पति बाजार के पास	16251/71 24/06/2026	श्री राजेश अग्रवाल पति स्व. फतेचंद अग्रवाल	श्री विनय अग्रवाल, चषक अग्रवाल वीरिका अग्रवाल, पति स्व. राधेश अग्रवाल, पुत्रम अग्रवाल पति स्व. राजेश अग्रवाल	मूल्य प्रमाण पत्र, विक्रय विलेख, नजूल आदेश पत्र, नजूल सचिव रिपोर्ट, शपथ पत्र मूल प्रति, संपत्तिकर रसीद।
28	15	सी.एल.सी. प्लान F/S 31	16251/72 24/06/2026	श्री उत्कर्ष विश्वकर्मा पति आर.पी. विश्वकर्मा	श्रीमती पुष्पा विश्वकर्मा पति आर.पी. विश्वकर्मा	दान पत्र, डायवर्सन पत्र, शपथ पत्र मूल प्रति एवं संपत्तिकर की रसीद।
वृक्षारोपण कार्य महान, एक वृक्ष सौ पुत्र समान				जोन आयुक्त जोन क्र.03 न.पा.नि. बिलासपुर (छ.ग.)		



दबदबा बनाए रखा। आइवरी कोस्ट को आगे बढ़ने के लिए सिर्फ़ डूँ की जरूरत थी लेकिन उन्होंने पूरे जोश के साथ खेला और क्यूरासाओ को बराबरी करने का कोई मौका नहीं दिया। आइवरी कोस्ट को स्टेडियम में दर्शकों का भरपूर समर्थन मिल रहा था और जब पेपे ने 64वें मिनट में बाएं पैर से दाननाता हुआ शॉट मारकर जीत पक्की की तो नारंगी जर्सी पहने टीम के प्रशंसक खुशी से झूम उठे।

उत्तर प्रदेश की अनुभववी धावक मुनिता प्रजापति ने राष्ट्रीय अंतरराज्यीय सोमवार एथलैटिक्स चौपयनशिप के तीसरे दिन भीषण गर्मी और उमस के बीच महिलाओं की हाफ मैराथन स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीता लेकिन वह एशियाई खेलों का क्वालीफिकेशन स्तर हासिल नहीं कर पाई। चौबीस साल की मुनिता ने 21.09 किमी की दूरी एक घंटा 45 मिनट पांच सेकेंड में पूरी की लेकिन वह भारतीय एथलैटिक्स महासंघ (एएफएफ) के तय किए गए एशियाई खेलों के एक घंटे 37 मिनट 20 सेकेंड के क्वालीफाइंग स्तर से काफी पीछे रहीं। उनका निजी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन एक घंटा 39 मिनट 26 सेकेंड है, जो उन्होंने इस साल फरवरी में चंडीदाद में हुई भारतीय पैदल जाक चौपयनशिप में दूसरे स्थान पर रहते हुए हासिल किया था।

ਪੀੜ

जो 26 अगस्त से 20 सितंबर तक होने वाली पहली यूरोपीय टी20 प्रीमियर लीग (ईटीपीएल) में भाग लेंगी। अब्राहम उस नेतृत्व समूह का हिस्सा बन गए हैं।

मार्ग तब 15 वर्षीय विस्फोटक बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को प्रशिक्षण का मौका नहीं दिया। सूर्यवंशी को टीम में शामिल नहीं करने के बारे में पूछे जाने पर अख्यर ने कहा, 'दुर्भाग्यवश मैं (वह नहीं जानता) है। वह बेहद प्रतिभाशाली खिलाड़ी है। फेन हमारी टीम में कई अनुभवी खिलाड़ी हैं, जिन्होंने भारतवर्ष लीग लिफ पिछली कुछ श्रृंखलाओं में शानदार प्रदर्शन किया है। लिए फिलहाल हम उन्हीं खिलाड़ियों पर भरोसा जाता रहे हैं। जिन्होंने पूरे सत्र में बेहतरीन खेल दिखाया है।' उन्होंने कहा, 'उन्हे समय आने पर मौका जरूर मिलेगा।'

आयरलैंड को डेब्यू किया और कमला कर दिया। जय ने भारत के संसदीय बल्लेबाज जंग सैमसन को आयरलैंडवर्स क्रिकेट करियर की पहली ही गेंद पर आउट कर दिया। इसके बाद उन्होंने टीम इंडिया को जीत कर पाउंड ले जा रहे थे। शिवेंस दुबे को आउट कर अखन समय पर बड़ा झटका दिया। शिवेंस ने टीम इंडिया जीत से काफी दूर हो गई। जय ने भारत के खिलाफ आयरलैंड को उसके इतिहास की पहली टी20 जीत दिलाई।

लेदना। सात बार की विम्बलडन एकर चौथीयन सेरेना विलियम्स सोमवार से शुरू हो रहे इस ग्रैंड स्लैम के पहले दौर में अस्ट्रेलिया की 20 वर्षीय माया जॉर्डे से भिड़ेंगी। वह लगभग चार वर्षों के अंतराल के बाद इस टूर्नामेंट में उनका पहला एकल मुकाबला होगा। इस 44 वर्षीय दिग्गज को घसियाले कोर्ट पर खेलने जाने वाले टूर्नामेंट के लिए वाइल्ड कार्ड मिला है। वह एकल के अलावा अपनी बड़ी बहन वीनस विलियम्स (46) के साथ युगल स्पर्धा में भी हिस्सा लेंगी। सेरेना की टेनिस में वापसी की शुभकामनाएं दो युगल अग्रस्थ मुकाबलों से हुई थीं, लेकिन रिविक्टर को आल इंग्लैंड क्लब ने उनके एकल खेलने की घोषणा के साथ उनकी वापसी को नई गति मिला।

25. सम्मान, पगडी-3

2. मुलाकात, मिलाप-3
3. खून से लथपथ-5
4. लालन-पालन-5
5. सेवक, नौकर, दास-3
6. धोखेबाज-4
8. समान, एक जैसा-4
13. पंजज, जलज-3
14. आघात, चोट-3
16. भरोसा, विश्वास-3
17. कुली, पालकी श
वाहक-3
18. जुर्म, गुनाह-4
19. स्वदेश श
वासी-5
20. शतपर्दी ख
कनकजूरा-5
21. अहमक म
मूर्ख-4
24. स्नान करना-3

	अ	ब	का	श		प्र	लि	घा	त	
खु				रा	व	ण				मु
श		ना	बा	ब	य	नी	म			क
मा		ह	खार	क		ज	र			
द	या	का	र	ना	धा	ह	मा	प	ना	
	प		पता			सी		उ		
अ	न	व	र	त	म	न	भ	र		
नु		रा	र	म	ध्व	म		र		मा
रो		ह	खि	त		ता	ली	म		कू
ध				मा	त					ल
	आ	ज	मा	ना	य	ज	मा	न		

	पूँजीक 6278 को हल									
● पत्येक पूँजी में मैं से 9 तक के अंक भरें ताये आवस्यक हैं:	0	1	6	2	3	7	4	5	8	
● पूँजीक आठो ओं खण्डो पूँजी में एवं 3x3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विरोध ध्यान रखें:	8	2	3	4	5	9	1	7	6	
● पहले में जोड़द अंको को आप हटा नही सकेंगे:	4	5	6	7	1	6	8	9	2	
● पहली का केवल एक ही हल है:	5	6	7	8	2	1	2	9	3	4
	1	7	4	9	6	8	3	2	5	7
	2	3	9	5	4	8	3	6	1	5
	7	4	1	8	9	5	6	2	3	
	3	8	6	5	2	1	7	4	9	
	6	9	2	3	7	4	5	8	1	

फ्लैट में रह रहे शख्स ने पाल रखे थे 300 से ज्यादा अजगर, भारी-भरकम बिजली बिल ने खोली पोल

एजेंसी ►► बीजिंग

चीन में एक बैचलर के फ्लैट में 300 ज्यादा अजगर मिले हैं, जो वहां रह रहे शख्स ने पाल रखे थे। होश उड़ा देने वाले इस मामले की पोल फ्लैट के भारी-भरकम बिजली के बिल से खुली। शख्स के फ्लैट के बिजली का बिल इतना था कि पुलिस छानबीन के फ्लैट पर पहुंच गई और फ्लैट में मिले अजगरों को बरामद किया और दुर्लभ जीवों की अवैध ब्रीडिंग के आरोप में

किराए के फ्लैट को शख्स ने बनाया अजगरों का ब्रीडिंग केंद्र

मामला चीन के झेजियांग प्रांत के ताइझोऊ शहर का है, जहां शख्स ने रहने के लिए किराए पर एक फ्लैट लिया था। शख्स काफी दिनों से उस फ्लैट में रह रहा था और जल्द ही उसने फ्लैट को अजगरों की ब्रीडिंग केंद्र बना लिया। फ्लैट के भारी-भरकम बिजली के बिल की छानबीन करते हुए पुलिस जब उसके फ्लैट में पहुंची तो अंदर का नजारा उसके होश उड़ गए, क्योंकि फ्लैट में 300 से ज्यादा खतरनाक अजगर मौजूद थे।



पहाड़ के नीचे मिले विशालकाय अजगर से थाने पहुंचा मामला

मामले का खुलासा एक बुजुर्ग ने किया, जिसे एक पहाड़ के नीचे बहुत बड़ा सांप दिखाई दिया था। किसी वयस्क इंसान के हाथ जितने मोटे सांप का रंग इलाके में पाए जाने वाले आम सांपों से बिल्कुल अलग था। बुजुर्ग को शंका हुई और उसने मामले की सूचना स्थानीय पुलिस को दी। पुलिस की जांच में स्पष्ट हो गया कि पहाड़ के नीचे मिला भारी-भरकम सांप स्थानीय नहीं है। पुलिस का शक था कि सांप कहीं से भागकर वहां पहुंचा है।

फ्लैट से बरामद किए गए विशालकाय अजगर

छापेमारी के दौरान फ्लैट में आरोपी शख्स अकेला मिला, लेकिन फ्लैट के अलग-अलग कोनों से 300 से ज्यादा अजगर बरामद किए गए। चीन में 'वेड टू' संरक्षित जीवों की कैटेगरी में शामिल अजगर की अवैध ब्रीडिंग को लेकर सख्त कानून है। चीनी कानून के मुताबिक, बिना सरकारी अनुमति के ऐसे संरक्षित जीवों को खरीदना, बेचना, पालना या दूसरी जगह ले जाना पूरी तरह गैरकानूनी है, जिसके आरोप में शख्स को जेल भेज दिया गया।

पुलिस को शक हो गया कि कहीं सांपों की ब्रीडिंग हो रही है

कवजीव विशेषज्ञों से सलाह लेकर जांच में जुटी पुलिस के हाथ जल्द आरोपी को गिरेहवां तक जा पहुंचे। पुलिस को अंदेशा था कि कहीं किसी घर में सांपों की ब्रीडिंग हो रही है, जिसके लिए 24 घंटे हीटर चलाए जाने से बिजली की खपत ज्यादा होती होगी। पुलिस अब ऐसे फ्लैट की तलाश में जुट गई, पुलिस ने ऐसे फ्लैट खंगलने शुरू किए और जल्द ही उसे वह फ्लैट मिल गया, जहां का सांप पाले जा रहे थे।

बचाने के लिए अंतरिक्ष में तैनात हुआ ‘रक्षक’

आसमान से बरस रही भयंकर गर्मी, भयानक आग का खतरा झेल रहा ये खूबसूरत देश!

दुनिया का एक खूबसूरत देश इस समय खतरनाक संकट का सामना कर रहा है। आसमां से आ रही तेज धूप और रिकॉर्ड तोड़ गर्मी के बीच ग्रीस के जंगलों में ऐसी लवाही मच सकती है, जो सब कुछ राख कर सकती है। ग्रीस इस समय इतिहास के सबसे भयानक वाइल्डफायर सीजन यानी जंगलों में लगने वाली भयनाक आग का सामना करने के लिए सांसें थामे खड़ा है। लेकिन, इस बार ग्रीस बेबस नहीं है। इस बार जमीन पर लगने वाली आग का मुकाबला करने के लिए अंतरिक्ष में एक महाशक्तिशाली 'रक्षक' को तैनात कर चुका है। जो ग्रीस को आग से बचाने के काम करेगा।



जर्मनी की कंपनी ने बनाए हैं सैटेलाइट

इन सैटेलाइट्स को जर्मनी की कंपनी ओरोराटेक ने तैयार किया है। इनमें बहुत ही एडवांस थर्मल सेंसर लगे हुए हैं, जो जमीन पर लगी मात्र 4 मीटर चौड़ी आग को भी आसानी से पकड़ सकते हैं। आम सैटेलाइट्स केवल तभी आग देख पाते हैं जब वह किसी बड़े समुद्री जहाज जितनी फैल जाती है।

सिर्फ आग नहीं, सीमाओं पर भी होगी नजर

यूरोपीय देशों का प्लान इस नैटवर्क का इस्तेमाल सिर्फ आग देखने के लिए नहीं, बल्कि सीमाओं की सुरक्षा, फसलों के प्रबंधन, आपदा प्रबंधन और शहरों के उन हिस्सों की पहचान करने के लिए भी करना है, जहां गर्मी बहुत ज्यादा बढ़ जाती है।

एआई रोकेगा गलत अलार्म

जैसे ही कहीं भी आग की घटना सैटेलाइट को दिखेगी, वैसे ही कमांडर्स के पास एक अलर्ट पहुंच जाएगा। इसमें आग की सटीक लोकेशन, उसका आकार और वह कितनी तेजी से फैल रही है, इसकी पूरी डिटेल्स होंगी। अगर एक साथ कई जगहों पर आग लगती है, तो यह लाइव डेटा यह तय करने में मदद करेगा कि फायर ब्रिगेड को पहले कहा जाना है। ये थर्मल सेंसर सोलर पैनल, फैक्ट्री की गर्मी छटी और धूप से तपती चट्टानों को भी पकड़ लेते हैं। इसके साथ ही अलर्ट भेजने से पहले ही एआई मॉडल इन सभी गलत अलार्मों को खुद ही फिल्टर कर देगा।

तकनीक पर ग्रीस का बड़ा दांव

ग्रीस ने साल 2024 में अपने इतिहास की सबसे गर्म गर्मी दर्ज की थी। साल 2018 में एथेंस के पास लगी आग में 100 से ज्यादा लोगों की जान चली गई थी, जिसके बाद से ग्रीस ने आग के खतरों से बचने के लिए अपने पूरे सिस्टम को बदल दिया है। अब सैटेलाइट्स के साथ-साथ ड्रोन और वाउंड सेंसरों का भी इस्तेमाल किया जा रहा है। यह प्रोजेक्ट यूरोप के सपोर्ट की एक बड़ी कंपनी के योजना का हिस्सा है। ग्रीस तीन यूरोपीय कंपनियों के साथ मिलकर 200 मिलियन यूरो की लागत से एक बड़ा ऑब्जर्वेशन नैटवर्क तैयार कर रहा है, जिसे यूरोपीय संघ फंडिंग कर रहा है। इसमें थर्मल सैटेलाइट्स के साथ-साथ ऐसे रडार सैटेलाइट भी होंगे जो बादलों और धूप के पार भी देख सकेंगे। यह पूरा प्रोजेक्ट इस साल के अंत तक तैयार हो जाएगा।

लंबी जिंदगी पाने का सीक्रेट क्या है? 3 बहनों की कहानी खोलेगी इस मिस्ट्री से पर्दा

एजेंसी ►► नई दिल्ली

लंबी उम्र और स्वस्थ रहने की खाहिश हर किसी की होती है। पूरी दुनिया में इसे लेकर प्रयोग हो रहे हैं कि कैसे इंसान की उम्र बढ़ाई जा सके। यहां तक कि ऐसी खबरें आती रहती हैं कि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग भी अपनी उम्र बढ़ाने को लेकर फिर्माद रहते हैं और कोशिशें कर रहे हैं। मगर, अब शायद लंबी उम्र पाने का राज मिल सकता है। ब्राजील की तीन बहनों को उम्र 316 साल: वैज्ञानिकों को लंबे जीवन का राज शायद ब्राजील की उन तीन बहनों में मिल सकता है, जिनकी संयुक्त रूप से उम्र 316 साल है। इसी महीने उनके नाम दुनिया की सबसे ज्यादा उम्र वाली तीन बहनों के रूप में गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में शामिल हो सकते हैं। ब्राजील के रियो डी जनेरियो में रहने वाली तीन बहनें जुलिया डी डेउस नुनेस (103), जोराइडे डी डेउस मोटा (104) और लेयिटा डी डेउस नुनेस (109) उम्र के इस पड़ाव पर भी बेहद स्वस्थ जिंदगी जी रही हैं।

क्या है यह महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट

इस प्रोजेक्ट का नाम है डीएनए लॉन्गेवो प्रोजेक्ट। इसकी अगुवाई बाजील की साओ पाउलो यूनिवर्सिटी की वैज्ञानिक मयाना जैटज कर रही है। इस प्रोजेक्ट का मकसद है एजिंग के पीछे का जैविक फैक्टर का पता लगाना। इस स्टडी का मकसद 500 ऐसे लोगों तक पहुंचना है, जिनकी उम्र 100 साल या उससे ज्यादा है, ताकि हम लंबी उम्र के बारे में ज्यादा पक्के नतीजे निकाल सकें।

रिसर्चर जोआओ पाउलो गुडलहर्मे

इन तीन बहनों से वैज्ञानिक इस बात को बेहतर तरीके से समझ पाएंगे कि कुछ लोग ज्यादा उम्र में भी क्यों शारीरिक और मानसिक रूप से मजबूत बने रहते हैं। रिसर्चर यह भी समझ पाएंगे कि कैसे बढ़ती उम्र में मानसिक गिरावट और कौनकौनसे कारक बढ़ती उम्र में एंटीएजिंग बढ़ती जाती हैं। एंटीएजिंग के बारे में पता लगा पाएंगे, जो उम्र को बढ़ाने के पीछे जिम्मेदार है।

डीएनए टेस्टिंग से प्रोटेक्टिव जीन को समझने की कोशिश

मयाना जैटज के मुताबिक, डीएनए टेस्टिंग की बढ़ती हुई प्रोटेक्टिव जीन को समझेंगे। हम जानते हैं कि जवनों से कई हैं। वह हमला जीवों रिसर्च सेंटर को भी कोऑर्डिनेट कर रही हैं।

स्कूल भवन पर गिरी गाज, 4 छात्राएं घायल

हरिगुणि न्यूज.प्रतापपुर।

ग्राम पंचायत बैकोना के पूर्व माध्यमिक शाला झालापारा में गुरुवार को दोपहर में उस समय अफरा-तफरी की स्थिति निर्मित हो गई जब स्कूल भवन पर अचानक आकाशीय बिजली गिर गयी तथा गाज की चपेट में आने से कक्षा में पढ़ाई कर रही चार छात्राएं घायल हो गई। अचानक हुई इस घटना में बच्चे चीखने-चिल्लाने लगे।

गुरुवार को रोज की तरह दोपहर की छुट्टी के बाद पूर्व माध्यमिक शाल माझापारा की कक्षाएं संचालित हो रही थी। इस दौरान आसमान पर बादलों का घनत्व बढ़ने के साथ ही तेज गरज-चमक हो रही थी। अपराह्न ढाई बजे गरज-चमक के साथ स्कूल भवन पर अकाशीय बिजली गिरी तथा कक्षा में पढ़ाई कर रही छात्रा मनशीला (13वर्ष), नेहा (14वर्ष), रीना पैकरा



(14वर्ष) एवं राधिका (13वर्ष) गाज की चपेट में आकर घायल हो गई। घटना की गंभीरता का अनुमान इसी से लगाया जा सकता है पलभर में नेहा एवं राधिका के कपड़े तक झूलस गए। सूचना पर तत्काल एम्बुलेंस से घायल छात्राओं को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया जहां बीएमओ

डॉ.अजीत दीवान के निर्देशन में चिकित्सकों ने तत्काल उपचार प्रारंभ किया।

बीएमओ डॉ.दीवान ने बताया कि उपचार से घायल छात्राओं का स्वास्थ्य सामान्य है तथा सभी छात्राएं खतरे से बाहर हैं।

वेदांता ने 10 वर्षों में सरकारी खजाने में 5 लाख करोड़ रुपए का दिया योगदान

कोरबा। विविध प्राकृतिक संसाधनों में देश की अग्रणी कंपनी वेदांता लिमिटेड ने कंपनी की 11 वीं टैक्स ट्रांसपेरेंसी रिपोर्ट के अनुसार वित्तीय वर्ष 2026 में सरकारी खजाने में 62 हजार 722 करोड़ रुपए का योगदान दिया है। यह रिपोर्ट देश के निर्माण और पारदर्शी प्रशासन गर्वनेस के लिए वेदांता की प्रतिबद्धता को और मजबूत बनाती है। यह योगदान कंपनी के संचालन से होने वाले कुल राजस्व का 36 फीसदी है, जो देश के आर्थिक विकास में अहम भूमिका निभाता है।

यह पिछले साल की तुलना में योगदान में 13.3 फीसदी की बढ़ोतरी है, जिसके साथ पिछले दस सालों में सरकारी खजाने में वेदांता का कुल योगदान 4 लाख 83 हजार 34 करोड़ रुपए हो गया है। कंपनी ने वित्तीय अनुशासन, राष्ट्र-निर्माण और विकसित भारत मिशन को समर्थन देने पर विशेष रूप से ध्यान दिया है। यह ग्रुप सरकारी खजाने में योगदान देने वाले देश के टॉप 3 प्राइवेट सेक्टरों के सदनों में शामिल है। सरकारी खजाने में यह योगदान वित्तीय वर्ष 2026 में वेदांता के सबसे अच्छे फाइनेंशियल परफॉर्मेंस की वजह से हुआ। इस अवधि में कंपनी का राजस्व 15 फीसदी बढ़कर 1 लाख 74 हजार 75 करोड़ रुपए हो गया है जो कंपनी के इतिहास में सबसे ज्यादा है जबकि 29 फीसदी बढ़कर 55 हजार 976 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। इसी तरह कर के बाद मुनाफ़ा (पीएटी) 22 फीसदी बढ़कर 25 हजार

कंपनी के संचालन से होने वाले कुल राजस्व का 36 फीसदी हिस्सा



96 करोड़ रुपए हो गया। कंपनी की बेलेंस शीट भी काफी मजबूत हुई, शुद्ध ऋण के मुकाबले 1.22 गुना से बेहतर होकर 0.95 गुना हो गया जो 14 तिमाहियों में इसका सबसे अच्छा स्तर है।

मजबूत ऑपरेशन परफॉर्मेंस बनी वजह

वेदांता के अलग-अलग तरह के बिजनेस पोर्टफोलियो हैं जिसमें जिक-लेड-सिल्वर, एल्युमीनियम, कॉपर, आयरन ओर, स्टील, पावर, निकेल, क्रोम और ऑयल एंड गैस शामिल हैं। जिसमें मजबूत ऑपरेशनल परफॉर्मेंस की वजह से कंपनी का फाइनेंशियल परफॉर्मेंस भी बहुत अच्छा रहा। जिक ने 19 हजार 53 करोड़ रुपए के साथ सबसे अधिक योगदान दिया, इसके बाद एल्युमीनियम का योगदान 15 हजार 788 करोड़ रुपए और ऑयल एंड गैस का योगदान 11 हजार 697 करोड़ रुपए रहा। यह महत्वपूर्ण खनिजों और ऊर्जा के क्षेत्र में वेदांता के पोर्टफोलियो के विस्तार और विविधता को दर्शाता है। इस रिपोर्ट का 11वां संस्करण वित्त वर्ष 2025-26 के लिए वेदांता के टैक्स योगदान का विस्तृत ब्यौरा देता है। शासकीय रॉयल्टी और प्रॉफ्रॉट पेट्रोलियम 14 हजार 840 करोड़ रुपए है इसमें राजस्थान, ओडिशा, गुजरात, आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़, गोवा, कर्नाटक और असम की राज्य सरकारों को बॉक्साइट, लेड-जंक, सिल्वर, आयरन ओर, कूड ऑयल और नैचुरल गैस के लिए दी गई रॉयल्टी, साथ ही प्रोडक्शन शेयरिंग कॉन्ट्रैक्ट के तहत भारत सरकार को दिया गया प्रॉफ्रॉट पेट्रोलियम शामिल है तथा इनकम और कैपिटल पर टैक्स 8 हजार 290 करोड़ रुपए है जिसमें सभी अधिकार क्षेत्रों में कानूनी रिटर्न में फ़ाइल किए गए कॉर्पोरेट इनकम टैक्स शामिल हैं।

बैद्यनाथ
आयुर्वेद
अरुणी आरुवेद

प्रोस्ट एड टैबलेट

पुरुषों में मूत्र सम्बंधी समस्याओं के लिए उपयोगी जैसे-

कम मात्रा में एवं बूँद-बूँद पेशाब आना

बार-बार एवं अचानक तेज पेशाब लगना

पेशाब करते समय जलन एवं दर्द होना

पुरुष के मूत्र विकार को हिला

50 Tablets
100 Years of Caring

चिकित्सकीय परामर्श (टोल-फ्री)
844 844 4935

शरीर खुद उगाएगा आपने कटे हुए अंग!

वांशिंगटन। अमेरिका की टेक्सास एण्ड्रैएम यूनिवर्सिटी के रिसर्चर्स ने एक ऐसा कमाल किया है, जो आने वाले समय में इंसानों को अपने खोए हुए अंग वापस पाने की ताकत दे सकता है। वैज्ञानिकों ने बिना किसी स्टेम सेल या जेनेटिक इंजीनियरिंग से, सिर्फ दो नैचुरल प्रोटेन की सहायता से चूहों की कटी हुई उंगलियों को फिर से उगाने में कामयाबी हासिल की है। आमतौर पर इंसानों या चूहों जैसे स्तनधारी जीवों में जब भी कोई अंग कटता है, तो वहां घाव भरने के बाद स्कार टिश्यू यानी निशान बन जाता है, लेकिन अंग दोबारा नहीं उगता।

डिंपल्स

कॉस्मेटिक सर्जरी
द्वारा गालों में स्थायी डिंपल्स

कालड़ा प्लास्टिक कॉस्मेटिक सर्जरी एवं बर्न सेंटर

आर.के.सी. के सामने, चौबे कालोनी एवं पलपेद्री नाका, धमतरी रोड, कलर्स माल के पास, रायपुर (छ.प्र.)
9827143060/8871003060
डॉ. रासम से मायन्ता प्रायव
Ajay Advt.

जब घुटना, कंधा या कमर दर्द सताए तो आयुर्वेदिक ट्रीटमेंट ही अपनाएं

‘डा. ऑर्थो’ आज ही ले आएं

घुटना दर्द कंधा दर्द कमर दर्द कलाई दर्द

अब दर्द भी घुटने टेकेगा...

डा. ऑर्थो
Ayurvedic Oil, Capsules, Spray & Ointment
24x7 Helpline: 7876977777 • www.drorthooil.com

8 गुणकारी आयुर्वेदिक तेलों से बना डा. ऑर्थो तेल जोड़ों के दर्द को जड़ से कम करने में विशेष सहायता करता है। मात्र 8-10ml तेल दिन में सिर्फ एक या दो बार हल्के हाथों से पीड़ित अंग पर मालिश करें।